राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,१५अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -८१ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अस्पताल में नेता-अफसरों के लिए VIP कल्चर से तंग एम्स के डॉक्टरों ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

भुवनेश्वर। सरकारी अस्पतालों में जारी वीआईपी कल्चर से तंग एम्स भुवनेश्वर के रेजिडेंट डॉक्टरों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। डॉक्टरों ने पीएम से निवेदन किया है कि एम्स जैसे सरकारी अस्पतालों में नौकरशाहों, नेताओं और राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ताओं को इलाज में मिलने वाली तरजीह को खत्म किया जाए। एम्स भुवनेश्वर के डॉक्टरों के एसोसिएशन ने पीएम को भेजी इस चिट्ठी में लिखा है कि अस्पतालों में सभी लाइफ सपोर्ट/आईसीयू सेवाओं को वीआईपी, राजनेताओं और उनके पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए आरक्षित किया जा रहा है। इनमें से कई लोगों को इसकी जरूरत नहीं है और सिर्फ आइसोलेशन में रखकर ही उनका इलाज हो सकता है। चिट्ठी में डॉक्टरों ने बताया है कि अस्पताल में वीआईपी काउंटर खोले जाने की बातें हो रही हैं। इतना ही नहीं ऐसे भी कई मामले आए हैं जिनमें कई राजनेताओं ने डॉक्टरों की ड्यूटी खत्म होने के बाद उन्हें अपने घर बुलाया है। डॉक्टरों का कहना है कि इन वजहों से डॉक्टरों की मानसिक पीड़ा बढ़ती है और कार्यस्थल पर उनकी क्षमता पर भी इसका असर पड़ता है। चिट्ठी में कहा गया है महामारी की शुरुआत से ही डॉक्टर सबसे आगे खड़े हैं और अपना जीवन जोखिम में डाले हुए हैं। लेकिन जब वह या उनके परिवार का सदस्य कोविड संक्रमित हो जाता है तो उन्हें बदले में लंबी कतारें और आईसीयू में पहले से भरे बेड मिलते हैं। उनका कहना है कि अस्पतालों में डॉक्टरों के लिए अलग से कोई काउंटर नहीं है न तो रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए कोई बेड ही आरक्षित है। मेडिकल सुप्रीनटेंडेंट ने इस मामले का कभी संज्ञान ही नहीं लिया है। अस्पतालों में वीआईपी कल्चर और नेताओं, अफसरों को विशेष सुविधाएं दिए जाने का विरोध करते हुए डॉक्टरों ने कहा कि यह फ्रंटलाइन वर्कर्स का अपमान है।

संविधान निर्माता बाबासाहेब अंबेडकर की 130वीं जयंती

पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने किया याद

● 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबासाहेब भीम राव आंबेडकर की 130वीं जयंती है। इस मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी है।

नई दिल्ली। भारत के संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव आंबेडकर की आज जयंती है। देश 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबासाहेब की 130वीं जयंती मना रहा है। इस मौके पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने बाबासाहेब को श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए किया गया उनका संघर्ष हर पीढ़ी के लिए एक मिसाल बना रहेगा।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, 'भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए किया गया उनका संघर्ष हर पीढ़ी के लिए एक मिसाल बना रहेगा।'

आपको बता दें कि बाबासाहेब आंबेडकर पर 1968 में बनी एक दुर्लभ मराठी लघु फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय (एनएफएआई) ने अपने संग्रह में शामिल कर लिया है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने बाबासाहेब को याद करते हुए लिखा, 'भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी, बाबासाहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि! डॉ.अंबेडकर ने समतामूलक न्यायपूर्ण समाज बनाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। आज हम उनके जीवन तथा विचारों से शिक्षा ग्रहण करके उनके आदर्शों को अपने आचरण में ढालने का संकल्प लें।

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, 'भारत रत्न बाबासाहेब अम्बेडकर जी ने समाज के वंचित वर्ग को शिक्षित व सशक्त किया और हमें न्याय व समता पर आधारित एक ऐसा प्रगतिशील संविधान दिया जिसने देश को एकता के सूत्र में बाँधने का काम किया। बाबासाहेब का विराट जीवन व विचार हमारी प्रेरणा का केंद्र है। उन्हें कोटिशः नमन।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी, संविधान शिल्पी, सामाजिक न्याय के प्रणेता, अद्वितीय विधिवेत्ता 'भारत रत्न' बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी को उनकी जयंती पर नमन। आपके द्वारा पोषित सामाजिक न्याय एवं समतामूलक समाज का दीप सदैव प्रज्ज्वलित रहेगा।

आपको बता दें कि बाबासाहेब आंबेडकर पर 1968 में बनी एक दुर्लभ मराठी लघु फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय (एनएफएआई) ने अपने संग्रह में शामिल कर लिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि 'महापुरुष डॉक्टर आंबेडकर' नाम से बनी फिल्म का निर्माण प्रचार निदेशक, महाराष्ट्र सरकार ने जुलाई 1968 में किया था।

इस साल भी सामान्य रहेगा मॉनसून, जुलाई से सितंबर तक होगी खूब बारिश

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली व एनसीआर क्षेत्र में इस बार सितंबर के महीने में ज्यादा बेहतर बरसात होने का अनुमान है। हालांकि, जुलाई और अगस्त में भी सामान्य बारिश होने की संभावना है। मौसम संबंधी पूर्वानुमान जताने वाली संस्था स्काईमेट के मुताबिक, इस बार देश भर में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रहने की संभावना है। संस्था ने देश में 75 फीसदी तक वर्षा का योगदान देने वाले मानसून को लेकर पूर्वानुमान व्यक्त किए। संस्था का अनुमान है कि इस बार मानसून सामान्य रहेगा। जून से सितंबर महीने के दौरान वर्षा का दीर्घावधि औसत 103 प्रतिशत तक रहेगा। इस बार सामान्य मानसून रहने की 60 फीसदी संभावना है। जबकि, सामान्य से ज्यादा बारिश की 15 फीसदी संभावना है। मौसम विज्ञानी महेश पालावत ने बताया कि दिल्ली में मानसून आगमन आमतौर पर जून के अंतिम सप्ताह में होता है। जबकि, अक्तूबर के पहले सप्ताह तक इसकी मौजूदगी बनी रह सकती है। इस बार दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में मानसून के समय से आने और अक्तूबर के शुरुआती हिस्से

तक बने रहने के अनुमान है। जबकि, पूरे उत्तर भारत में ही जुलाई और अगस्त की तुलना में सितंबर में ज्यादा अच्छी बरसात होने की संभावना है। पिछले वर्ष सितंबर और अक्तूबर के महीने में वर्षा सामान्य से खासी कम रह गई थी। इसके चलते लोगों को ज्यादा प्रदूषण का सामना भी करना पड़ा था। हालांकि, इस बार मानसून का पूरा सीजन अच्छा रहने की संभावना है।

केंद्र सरकार ने लोगों से की काढ़ा, च्यवनप्राश, हल्दी के सेवन की अपील

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों और बड़ी संख्या में हो रही मौतों को देखते हुए सरकार ने एक बार फिर लोगों से पुराने नुस्खों से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की अपील की है। योजना आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा कि लोगों को तत्काल काढ़ा, च्यवनप्राश, हल्दी के दूध के इस्तेमाल के साथ ही योग भी शुरू कर देना चाहिए। डॉ. पॉल के अनुसार कोरोना की पहली लहर के दौरान लोगों ने इम्युनिटी बढ़ाने के लिए काढ़ा, च्यवनप्राश और हल्दी- दूध जैसे परंपरागत पदार्थों का जमकर इस्तेमाल किया था और इसका फायदा भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि पिछली

बार जिन चीजों का फायदा मिला था, इस बार भी उनका फायदा मिलना तय है। सभी लोगों से इन इम्युनिटी बूस्टर का इस्तेमाल करने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि लोग चाहें तो इसके लिए आयुर्वेदिक डॉक्टरों से भी संपर्क कर सकते हैं। ध्यान देने की बात है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान सरकार ने आयुर्वेदिक नुस्खों के इस्तेमाल के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी की थी और माइल्ड और मॉडरेट संक्रमण के मामलों में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से इलाज की इजाजत भी दी थी। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच गिलोय-नीम का जूस एवं तुलसी का अर्क की मांग बढ़ गई है। गिलोय, घनबटी, च्यवनप्राश के साथ ही गिलोय व नीम के जूस की भी मांग बढ़ी है। कोरोना की दूसरी लहर देश के कई राज्यों में पहुंच गई है। विशेषज्ञों की राय में कोरोना की यह दूसरी लहर ज्यादा खतरनाक है। इस बार मरीजों में उल्टी और दस्त जैसे लक्षण भी दिख रहे हैं। नए लक्षण और टेस्ट कराने में देरी घातक साबित हो रही है। डाक्टरों के अनुसार, अब वायरस के स्ट्रेन में संक्रमण की गति को बढ़ाने वाले म्यूटेशन हैं, यह शरीर के ए-2 रिसेप्टर को आसानी से पकड़ रहा है।

फिर से होने लगी घर वापसी

कोरोना बढ़ने से रेलवे पर बढ़ रहा है यात्रियों का दबाव, स्टेशनों पर उमड़ रही भारी भीड़

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ शहरों से अपने गांव की तरफ लौटने वाले यात्रियों की भीड़ से रेलवे पर दबाव बढ़ने लगा है। हालांकि रेलवे ने पहले से ही गर्मियों के मौसम के मद्देनजर बहुत बड़ी संख्या में ट्रेनों को चलाने की तैयारी कर रखी है। रेलवे एक ही दिन बड़ी संख्या में लोगों के स्टेशन आने पर भी नजर रखे हुए हैं। उसने अभी साफ कर दिया है कि अगर राज्य सरकारें चाहें तो वह विशेष श्रमिक ट्रेनें भी चलाने को तैयार है। पिछले एक हफ्ते से दिल्ली, मुंबई और गुजरात के विभिन्न शहरों से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान की तरफ जाने वाले यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। जिस तरह से विभिन्न राज्यों में आंशिक या कुछ दिनों के लिए अलग क्षेत्रों में लॉकडाउन लगाए जा रहे हैं, उससे घबराए मजदूर अपने घरों की तरफ लौट रहे हैं। सबसे ज्यादा दबाव मुंबई के स्टेशनों पर देखा जा रहा है, हालांकि पश्चिम रेलवे और मध्य रेलवे ने पहले से ही काफी तैयारी कर रखी है। लेकिन एक ही दिन अचानक भीड़ से उनको भी दिक्कतें आ रही हैं। वेट लिस्ट बढ़ने पर अतिरिक्त ट्रेनों को चलाने की तैयारी भी है, लेकिन अनारक्षित यात्रियों के पहुंचने से भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में रेलवे राज्य सरकारों के साथ समन्वय बनाए हुए है और उसकी कोशिश है कि एक समय में स्टेशन पर ज्यादा भीड़ न हो। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर राज्य सरकारें चाहेंगी तो रेलवे पिछली साल की तरह श्रमिक विशेष ट्रेनें चलाने को भी तैयार है। हालांकि अभी वैसी स्थिति नहीं है। इस बीच रेलवे ने पिछले साल तैयार किए अपने विशेष आइसोलेशन कोच को भी तैयार कर रखा है ताकि अगर राज्य सरकार मांग करती हैं तो विभिन्न स्टेशनों पर उनको भी उपलब्ध कराया जा सकेगा।

कोरोना महामारी के चलते एमपी के सरकारी स्कूलों में 15 अप्रैल से 13 जून तक रहेगा ग्रीष्मकालीन अवकाश

भोपाल। कोरोना महामारी के कारण मध्यप्रदेश के पहली से आठवीं तक के सरकारी और अनुदान प्राप्त स्कूलों में 15 अप्रैल से 13 जून तक ग्रीष्मावकाश रहेगा। इन स्कूलों में पदस्थ सरकारी शिक्षकों के लिए भी ग्रीष्मावकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को आदेश जारी कर दिया है।

ऑनलाइन शिक्षण कार्य जारी रहेगा

मप्र स्कूल शिक्षा विभाग की उपसचिव अनुभा श्रीवास्तव ने सभी जिला कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी निजी स्कूलों में पहली से आठवीं तक की कक्षाओं का संचालन 30 अप्रैल तक बंद रखें। इनका ऑनलाइन शिक्षण कार्य जारी रहेगा।

मप्र स्कूल शिक्षा विभाग की उपसचिव अनुभा श्रीवास्तव ने सभी जिला कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी निजी स्कूलों में पहली से आठवीं तक की कक्षाओं का संचालन 30 अप्रैल तक बंद रखें। इनका ऑनलाइन शिक्षण कार्य जारी रहेगा।

प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी छात्रावास तत्काल प्रभाव से बंद

प्रदेश के सभी सरकारी एवं निजी छात्रावासों को भी तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। कोरोना महामारी की परिस्थिति और विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

मध्यप्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़ने से अस्पतालों में नहीं मिल रहा बिस्तर

मध्यप्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या एक दिन में ढाई हजार बढ़ गई है। सोमवार को पूरे प्रदेश 8,998 नए मरीज मिले हैं। 46526 सैंपलों की जांच में इतने मरीज मिले हैं। इस तरह संक्रमण दर 19 फीसद रही। रविवार को 6,489 मरीज मिले थे, जबकि संक्रमण दर 17 फीसद रही।

अस्पतालों में नहीं मिल रहा बिस्तर

प्रदेश के विभिन्न जिलों में 40 मरीजों की मौत सोमवार को हुई है। इसके साथ ही सक्रिय मरीजों की संख्या प्रदेश में 43,539 हो गई है। इनमें करीब 60 फीसद मरीज होम आइसोलेशन में हैं। बाकी का निजी और सरकारी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़ने की वजह से न तो मरीजों को अस्पतालों में बिस्तर मिल पा रहा है और न ही होम आइसोलेशन वाले मरीजों की देखभाल हो पा रही है।

टीके की कमी के आरोप पर केंद्र सरकार का जवाब- आरटीपीसीआर टेस्ट बढ़ाएं राज्य, वैक्सीन का दिया हिसाब

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर के संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र ने कहा कि महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों को आरटी-पीसीआर जांच में तेजी लाने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने कहा है कि देश में कोविड-19 वैक्सीन की कोई कमी नहीं है, लेकिन समस्या राज्यों में इसके लिए बेहतर प्रबंधन की है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने संवाददाताओं से बातचीत में राज्यों से आग्रह किया कि वे विभिन्न आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैक्सीन की उपलब्धता की समीक्षा करे और विभिन्न क्षेत्रों में मांग के अनुरूप उचित व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि इससे सभी जगह वैक्सीन सुनिश्चित करने और इसकी बर्बादी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। केंद्र ने अब तक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 13 करोड़ दस लाख से

● **पहले संक्रमण के जो दैनिक मामले सामने आए थे अब उससे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, 'प्रति दस लाख व्यक्तियों पर जांच बढ़ रही है लेकिन यह प्रतिदिन सामने आने वाले औसत मामलों के बराबर नहीं है। आरटी पीसीआर जांच की संख्या घट रही है इसलिए हम राज्यों से अनुरोध करते हैं कि वे इसकी तरफ ध्यान दें।'**

अधिक टीके उपलब्ध कराएं है। उन्होंने कहा कि ग्यारह करोड़ 43 लाख टीके काम में लाए जा चुके हैं जिनमें से कुछ बर्बाद भी हुए हैं। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास एक करोड़ 67 लाख से अधिक खुराक उपलब्ध है। राजेश भूषण ने कहा कि केंद्र, महामारी से मुकाबला करने में लगातार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले संक्रमण के जो दैनिक मामले सामने आए थे अब उससे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं और यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, 'प्रति दस लाख व्यक्तियों पर जांच बढ़ रही है लेकिन यह प्रतिदिन सामने आने वाले औसत मामलों के बराबर नहीं है। आरटी पीसीआर जांच की संख्या घट रही है इसलिए हम राज्यों से अनुरोध करते हैं कि वे इसकी तरफ ध्यान दें।' भूषण ने कहा कि आदर्श अनुपात 70 प्रतिशत आरटी पीसीआर और 30 प्रतिशत रेपिड एंटीजेन जांच का है क्योंकि दोनों जरूरी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जरूरी फैसला

कोरोना की दूसरी लहर जिस तरह रोज नए रिकॉर्ड बना रही है, वह चिंता की बात है। ऐसे में, देश की औषधि नियामक संस्था डीसीजीआई द्वारा रूस में विकसित स्पूतनिक-वी टीके के इस्तेमाल की इजाजत एक स्वागत योग्य फैसला है। सरकार ने डब्ल्यूएचओ से अनुमोदित अन्य टीकों के आयात का भी फैसला किया है। ये कदम अगर पहले उठाए गए होते, तो ज्यादा बेहतर होता। तब शायद हम कई बहुमूल्य जानें बचा सकते थे। आखिर कई राज्य सरकारें कह रही थीं कि उनके पास चंद दिनों का ही स्टॉक है। बहरहाल, स्पूतनिक-वी एक भरोसेमंद टीका है और दुनिया के लगभग 60 देशों ने इसे अपने यहां मंजूरी दे रखी है। विज्ञान पत्रिका द लैंसेट में प्रकाशित इसके आखिरी चरण के नतीजे इसे 92 प्रतिशत कारगर बताते हैं। फिर यह टीका नौजवानों के लिए भी सुरक्षित माना गया है। ऐसे में, इस समय जो न्यूनतम 45 साल की सीमा रखी गई है, स्पूतनिक व अन्य टीकों की आमद के बाद इस दायरे को और लचीला बनाने में सरकार को आसानी होगी। हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि कोविड संक्रमण के कुल मामले में भारत अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। वायरस का प्रसार थामने के लिए हमें ज्यादा से ज्यादा जांच और टीकाकरण की जरूरत है। मगर जांच के मामले में भी कई जगहों से शिकायत मिली है कि जांच किट नहीं है या फिर कई-कई दिनों के बाद नतीजे मिल रहे हैं। सरकार ने शुरुआत में एक अच्छा कदम उठाया था, जब उसने कुछ विश्वसनीय लेबोरेटरी और निजी अस्पतालों को जांच करने की इजाजत दी थी। लेकिन तब उन पर कई तरह की सीमाएं भी आयद थीं। इसके कारण वे बड़े निवेश के लिए प्रेरित नहीं हुए। देश के सरकारी स्वास्थ्य ढांचे की हालत और महामारी की मौजूदा गंभीर स्थिति को देखते हुए यह बहुत जरूरी है कि सरकार निजी-सार्वजनिक साझेदारी यानी पीपीपी मॉडल के जरिए जांच व टीकाकरण की दिशा में आगे बढ़े। इसके अलावा, वेंटिलेटर सुविधा के विस्तार के लिए भी निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। जाहिर है, सरकार को उनका साथ लेना है और जनता को सुविधाएं मुहैया करानी हैं, तो उन्हें कुछ रियायतें देनी होंगी। सरकारी स्वास्थ्य ढांचे पर तभी दबाव कम होगा और इस आपात स्थिति का भी बेहतर मुकाबला हो सकेगा। यह अच्छी बात है कि सरकार ने जीवनरक्षक इंजेक्शन रेमडेसिविर के निर्यात पर फिलहाल रोक लगा दी है। लेकिन उसे टीका बनाने वाली अन्य कंपनियों को भी यह आश्वस्ति देनी होगी कि उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा, ताकि वे अधिक से अधिक उत्पादन के लिए अपने जरूरी तंत्र का विस्तार कर सकें। अमेरिका इसी रास्ते पर चलकर 19 करोड़ से भी ज्यादा वैक्सीन लगा चुका है। भारत में जनता के स्तर पर भी निरंतर जन-जागरण की आवश्यकता है। गौर करने वाली बात है, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुखिया ने फिर आगाह किया है कि महामारी जल्दी नहीं जा रही और इस जंग में वैक्सीन एक शक्तिशाली हथियार तो है, पर यह एकमात्र हथियार नहीं है। मास्क, शारीरिक दूरी और वेंटिलेशन की जरूरत अभी लंबे समय तक बनी रहेगी। विडंबना यह है कि हम इन मोर्चों पर अब भी लापरवाही बरत रहे हैं, और जिन्हें आदर्श पेश करना है, वही सबसे ज्यादा इसके प्रति अगंभीर दिख रहे हैं।

टीका व सावधानी से ही कोविड का खात्मा

दिनेश सी. शर्मा

कुछ वक्त ठंडा पड़ने के बाद कोरोना वायरस ने फिर से धावा बोल दिया है। कई राज्यों में संक्रमण का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है और देशभर में एक दिन में आए नये मामलों की संख्या ने सितंबर, 2020 में दर्ज की गई सर्वाधिक गिनती को पार कर लिया है। विशेषज्ञों ने वर्ष 2020 में कोविड महामारी की शुरुआत में ही भविष्यवाणी कर दी थी कि इसकी दूसरी-तीसरी या अधिक लहर आ सकती है, क्योंकि महामारी में अक्सर यही होता है। साल 1918 में बरपी इंफ्लुएंज़ा महामारी के दौरान दो सालों में तीन मर्तबा लहरें आई थीं। जब भी महामारी के संक्रमण ग्राफ में नये मामलों की बढ़ती संख्या का एकदम स्पष्ट उठान बनने लगे तो यह नयी लहर को दर्शाता है। विश्व के अलग-अलग भागों में विभिन्न समय पर यह लहरें देखने को मिल सकती हैं, लेकिन इनकी अवधि और तीव्रता के बारे में कयास लगाना मुश्किल है। हर नयी लहर की तेजी अथवा नरमी पहले वाली से एकदम जुदा हो सकती है। मसलन, अफ्रीका में आई कोविड-19 की पहली लहर की तीव्रता बाकी विश्व से मद्धिम थी, जबकि दूसरी वाली कहीं ज्यादा संक्रमण दर वाली और घातक है। कनाडा में इस वक्त तीसरी लहर चल रही है जो पिछली दो से अधिक मारक है। भारत में कोरोना की दूसरी लहर ऐसे वक्त में बनी है जब लोगों ने पहली वाली से सफलतापूर्वक निपटने का जश्न मनाना शुरू करा ही था क्योंकि वर्ष 2021 के आरंभिक दो महीनों में आंकड़ा नाटकीय रूप से काफी कम रहा था। सरकार में बैठे कुछ लोग तो यहां तक दावा करने लगे थे कि विश्व को 'कोविड-19 प्रबंधन के भारतीय मॉडल' से बहुत कुछ सीखना चाहिए। 7 मार्च, 2021 को स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने घोषणा कर डाली 'हम कोविड-19 महामारी का खेल खत्म करने की कगार पर हैं।' स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कोरोना योद्धाओं एवं बुजुर्गों के कोविड रोधी टीका लगाने की मुहिम भी इस बीच शुरू हो गई और इसे विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम बताकर वाहवाही लूटी गई। परंतु यह काम खुद अपनी पीठ थपथपाने जैसा था और वक्त से पहले जीत की खुशी मनाने वाली जल्दबाजी भी। यह तमाम कारक और सावधानी संबंधी आचार संहिता में उदासीनता स्वरूप लोगों में लापरवाही बनने लगी। लोगबाग कोविड-संबंधी सावधानियों को दरकिनार कर पहाड़ों, समुद्र तट और अन्य पर्यटक स्थलों की सैर को उमड़ने लगे। इस दौरान पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का वक्त भी आन पहुंचा और कुम्भ जैसा विशालतम धार्मिक उत्सव भी। समय पर चुनाव करवाना बेशक एक संवैधानिक आवश्यकता हो सकती है। महामारी के दौरान कई देशों में चुनाव हुए हैं और भारत में भी पहली लहर के दौरान कुछ विधानसभाई चुनाव सपन्न हुए थे। लेकिन मौजूदा चुनाव प्रक्रिया में मतदान तिथियों का लंबा चलना और विशाल रैलियों एवं रोड-शो का आयोजन होने से यह चुनाव पिछले वाले से भिन्न है। महामारी को लेकर चुनाव आयोग से आए दिशा-निर्देशों की जमकर धज्जियां उड़ी हैं। असम के स्वास्थ्य मंत्री ने तो मुंह पर मास्क लगाने से यह कहकर मना कर दिया कि ऐसा करके वे जनता के बीच भय का माहौल नहीं फैलाना चाहते! इसके अलावा विशाल चुनावी रैलियों में उपस्थित भीड़ को देखकर बाकी लोगों ने मान लिया कि जब इन्हें कुछ नहीं हो रहा तो हम क्यों कोविड संबंधी सावधानियां बरतें। चुनावी भीड़ का जिक्र कर आम नागरिक महामारी प्रबंधन के तहत सामाजिक आयोजन, जैसे कि शादी-ब्याह, में लोगों की संख्या सीमित रखने वाले आदेशों पर सवाल उठाने लगे। कुछ विश्वविद्यालयों में छात्र सामान्य कक्षाएं फिर से लगाने की मांग कर रहे थे। जबकि चुनाव आयोग के लिए महामारी एक ऐसा मौका था कि प्रचार हेतु नये खोजे गए तरीके और तकनीक के अधिकाधिक इस्तेमाल करने को बढ़ावा देता। कुम्भ के मामले में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने दखल देते हुए आगंतुक तमाम श्रद्धालुओं के लिए आरटी-पीसीआर नेगेटिव रिपोर्ट पेश करने की अनिवार्यता लागू कर दी है। उपरोक्त तमाम कारकों के अलावा अनेकानेक बायोमेडिकल एवं एपिडेमियोलॉजिकल वेरिएबल्स ने कोविड-19 की नयी लहर पैदा होने में योगदान दिया है। साथ ही, वायरस के नये रूपांतरण, संक्रमण के प्रति संवेदनशील आबादी का अंश और पहली लहर में बनी रोगप्रतिरोधक क्षमता में ह्रास ने भी अपनी भूमिका निभाई है। सीरो-सर्विलांस अध्ययन, वायरस के नये रूपांतर की शिनाख्त हेतु जीनोमिक सर्विलांस और विशिष्ट आयु-लिंग वर्ग संबंधी एपिडेमियोलॉजिकल डाटा इकट्ठा कर दूसरी लहर से निपटने की रणनीति में महीन सुधार करने में मदद मिल सकती है। किंतु इस काम में दीगर खामियां और पारदर्शिता में कमी व्याप्त है। हाल ही में एक लाइव टीवी बहस में भाग लेते वक्त महाराष्ट्र के कोविड-19 रोधी विशेष कार्यदल के एक सदस्य और सीएसआईआर के महानिदेशक के बीच जीनोमिक सिक्वेंस को साझा करने में देरी करने को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगे। स्थिति संभालने हेतु सीएसआईआर अधिकारी को उक्त डॉक्टर को अपना आधिकारिक ई-मेल एड्रेस देते हुए पत्राचार करने को कहना पड़ा। कोविड महामारी जैसे अति गंभीर विषय पर केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच समन्वय पर इस किस्म के अभाव को देखना, वह भी सबकी आंखों के सामने और महामारी प्रबंधन के एक साल के अनुभव के बाद, एक शोचनीय दृश्य है। सीरो एवं जीनोमिक सर्विलांस, परीक्षण दर बढ़ाने के अलावा हमें टीकाकरण को गति देनी होगी। फिलहाल दो किस्म के टीके उपलब्ध हैं और निकट भविष्य में अन्य दावेदारों को हरी झंडी मिल सकती है। टीकाकरण का दायरा धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। इसलिए टीके की यथेष्ट मात्रा में उपलब्धता बनाए रखना काफी महत्वपूर्ण होगा। पहले ही कुछ राज्यों में टीके की कमी बनने लगी है और कई जिलों में तो आपूर्ति बहुत ही कम है। दूसरी ओर हमारे देश ने 6 अप्रैल तक 6.45 करोड़ टीके निर्यात किए हैं। इसका बड़ा हिस्सा यानी 3.57 करोड़ टीके, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और भारत बायोटेक कंपनी ने विदेशी कंपनियों के साथ किए गए व्यापारिक करार के अंतर्गत भेजे हैं। 1.81 करोड़ टीके विश्व स्वास्थ्य संगठन के कोवैक्स नामक कार्यक्रम के तहत दिए गए हैं तो शेष 1.05 करोड़ टीके भारत सरकार द्वारा कई देशों को दान में दिए हैं। इसलिए यदि 'वैक्सीन मैत्री' नामक सहायता कार्यक्रम न होता तब भी केवल एक करोड़ अतिरिक्त टीके ही देशवासियों के लिए उपलब्ध हो पाते। रशियन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट फंड नामक एक रूसी इकाई ने भारतीय कंपनियों यानी सीरम इंस्टीट्यूट और बायोटेक को स्पूतनिक 5 वैक्सीन के लगभग 1 खरब टीके देने के लिए अनुबंध किया है। हैरानी की बात है कि भारतीय एजेंसियों ने घरेलू जरूरत के लिए वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने को भारत बायोटेक एवं सीरम इंस्टीट्यूट को अतिरिक्त क्षमता बनाने या फिर स्थानीय दवा निर्माताओं से ठेके पर वैक्सीन बनवाने को क्यों नहीं कहा? जबकि भारत सरकार ने वैक्सीन संवर्धन कार्यक्रम के तहत डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी को 900 करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड दिया है। इस धन का इस्तेमाल भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के अलावा अन्य दवा निर्माताओं की अतिरिक्त उत्पादन क्षमता को साथ जोड़ने में किया जा सकता था। वैक्सीन की यथेष्ट उपलब्धि और कोविड संबंधी व्यवहार संहिता को बनाए रखना ही महामारी की लहरों के निपटने का एकमात्र कारगर रास्ता है।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के टिप्पणीकार हैं।

आज के ट्वीट

आइसोलेट

मेरे कार्यालय के कुछ अधिकारी कोरोना से संक्रमित हुए हैं। यह अधिकारी मेरे संपर्क में रहे हैं, अतः मैंने एहतियातन अपने को आइसोलेट कर लिया है एवं सभी कार्य वर्चुअली प्रारम्भ कर रहा हूं।

-- योगी आदित्यनाथ

ज्ञान गंगा

खुशहाली

जग्गी वासुदेव

दुनिया में हमें केवल संपत्ति नहीं बनानी है, बल्कि खुशहाली बनानी है। धन-दौलत मनुष्य की खुशहाली के कई साधनों में केवल एक साधन है, लेकिन मात्र यही सब कुछ नहीं है। संपत्ति का मतलब अपने लिए बाहर की स्थिति को सुखद बनाना है। पर अभी तो लोग इसके पीछे ऐसे पड़े हैं जैसे कि ये कोई धर्म हो। पैसा बस एक साधन है; ये अपने आप में मंजिल नहीं है। हम बिना किसी कारण के इसे बहुत बड़ा बना रहे हैं। क्या ये खराब है? क्या ये अच्छा है? इन दोनों में से ये कुछ भी नहीं है। ये बस एक साधन है जो हमने बनाया है। हमें यह समझना चाहिए कि कोई भी पैसा नहीं चाहता है। ये थोड़ा बेतुका लग सकता है पर मैं कह रहा हूं कि वो पैसा नहीं है जिसे लोग चाहते हैं। बात बस ये है कि जिसे वो बेहतर जीवन समझते हैं, उसे पाने के लिए पैसा ही एक साधन है। सभी चाहते हैं कि उनका जीवन सुखद रहे। जब हम सुखद रहने की बात करते हैं तो ये 5 तरीकों से हो सकता है। अगर आपका शरीर सुखद अवस्था में है, तो हम इसे सुख कहते हैं। जब आपका मन सुखद हो जाता है तो हम इसे शांति कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाए तो हम इसे हर्ष कहते हैं। अगर आपकी भावनाएं सुखद होती हैं तो हम इसे प्रेम कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाती हैं तो हम इसे करु णा कहते हैं। जब आपकी जीवन-ऊर्जाएं सुखद हो जाती हैं तो हम इसे आनंद कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाएं तो हम इसे परमानंद कहते हैं। अगर आपके आसपास सब सुखद हो तो हम इसे सफलता कहते हैं। आपको यही सब चाहिए, है कि नहीं? 'नहीं, मैं स्वर्ग जाना चाहता हूं'। पर, आप स्वर्ग क्यों जाना चाहते हैं? क्योंकि सभी विज्ञापन यही कहते हैं कि वो बहुत सुखद जगह है। तो आपको बस सुखद अवस्था चाहिए, खुशी चाहिए और अभी आपका यही विश्वास है कि इस दुनिया में, पैसे से आप इसे खरीद सकते हैं। और कुछ हद तक ये सही भी है। पर, पैसा सिर्फ बाहरी अवस्था को सुखद बना सकता है, ये आपके अंदर की अवस्था को सुखद नहीं बना सकता। अगर आपके पास बहुत पैसा है तो आप एक पांच सितारा होटल में रह सकते हैं पर अगर आपका शरीर या मन, आपकी भावनाएं या ऊर्जाएं सुखद नहीं हैं, तो क्या आप उस पांच सितारा होटल का आनंद ले पाएंगे? नहीं!

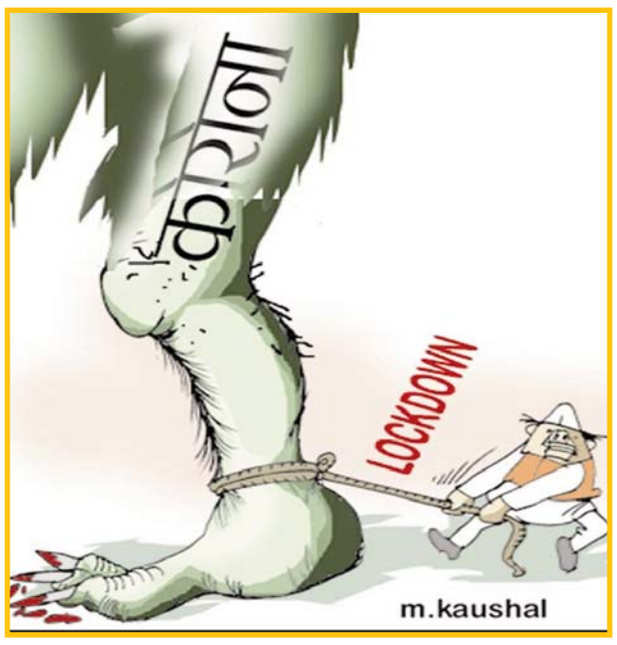

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

माँ दुर्गा का रूप है नारी शक्ति

-डॉ. वंदना सेन

भारत में सदियों से प्रचलित पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नारी को महाशक्ति की संज्ञा दी गई है। जहां नारी का आदर और सम्मान होता है, वहां दैवीय वातावरण विद्यमान रहता है। दैवीय वातावरण के बारे में अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि वहां आसुरी प्रवृत्तियों का पूरी तरह से विलोपन हो जाता है और ऐसी सांस्कृतिक किरणों का प्रकाश प्रस्फुटित होता है, जिसका सानिध्य प्राप्त कर हर प्रकार के विकार दूर हो जाते हैं। कहा जाता है जहां नारी की पूजा की जाती है। वहां देवता स्वयं उपस्थित होते हैं। भारत में सनातन काल से नारी को जगत जननी के रूप में भी स्वीकार किया गया है। छोटी छोटी बालिकाएं साक्षात माता दुर्गा ही रूप होती हैं। इस प्रकार यही कहा जा सकता है कि समाज के अंदर भक्ति का प्राकट्य तभी हो सकता है, जब नारी को मां दुर्गा के प्रतिरूप में देखा जाए। धर्म युक्त वातावरण निर्मित करने के लिए नारी तू नारायणी का भाव लेकर अपने मन में पूजा की थाली स्थापित कर हम सभी को साधक और आराधक की भूमिका के लिए अग्रसर होना होगा। तभी हम आसुरी प्रवृत्तियों को पराजित कर पाने में सक्षम होंगे। भारत देश में शक्ति पर्व के रूप में मनाया जाने वाला नवदुर्गा महोत्सव आध्यात्मिक उत्थान का पर्व तो है ही, साथ ही इस पर्व में मां की महत्ता को भी अत्यधिक प्रधानता दी गई है। भारत में मां को जो स्थान प्राप्त है, वह शायद ही किसी दूसरे देश में हो। हमें इस बात का हमेशा ध्यान रखना चाहिए कि हम विश्व के ऐसे विलक्षण देश में निवास करते हैं, जिसके स्वर्णिम अतीत की गौरव गाथा से हम सभी अनुप्राणित हैं। इतना ही नहीं विश्व के अनेक देश भी भारत के इस सत्य को वर्तमान में सहज भाव से स्वीकार करने लगे हैं। ऐसे में हम सभी का यह स्वाभाविक कर्तव्य बनता है कि हम अपनी चेतन शक्ति का प्राकट्य कर अपने आराध्य केंद्रों का पूर्ण मनोयोग से अर्चन वंदन करें और देश की भलाई का मार्ग प्रशस्त करें। हम भारतवासियों ने अपने देश को भारत माता का दर्जा देकर उसकी पूजा की है। देश में कई स्थानों पर भारत माता के मंदिर भी हैं। भारत माता की आराधना का भावार्थ यही है कि देश के नागरिकों में समानता का भाव बना रहे, सब मिलजुल कर रहें। ऐसा करने से समाज में समता का भाव स्थापित होगा। आराधना की दृष्टि से नवदुर्गा महोत्सव को तीन भागों में विभक्त किया गया है। जिसके अंतर्गत नौ दिनी महोत्सव के तीन-तीन दिनों में विशेष देवी के पूजा आराधना का विधान है। प्रथम तीन दिन मां काली की आराधना के लिए रखे गए हैं। जिसमें मूल बात यह है कि व्यक्ति सबसे पहले अपने मन के विकारों को पूरी तरह से दूर करे। पहले तीन दिनों में व्यक्ति का मन पूरी तरह विकार रहित हो जाना चाहिए तभी हमारी आगामी पूजा का सफल मार्ग तैयार हो सकता है। अगर मन में किसी प्रकार का विकार है या देवी स्वरूप नारी और मासूम बालिकाओं के प्रति पूजनीय भाव नहीं है तो व्यक्ति को देवी पूजा से अपने को पृथक कर लेना चाहिए। वैसे पूजा के बारे में पहले से ही अकाट्य धारणा है कि व्यक्ति पूरे मन से स्वार्थ रहित पूजा पूजा करें, तभी उसका अपेक्षित फल प्राप्त होता है। दूसरे तीन दिनों में मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है। व्यक्ति विकारों से मुक्त होकर माता लक्ष्मी की पूजा करता है तो उसकी आराधना सफल होगी। यहां विशेष बात यह है कि व्यक्ति धर्म सम्मत धन का उपार्जन करने की ओर प्रवृत्त हो। इस आराधना में व्यक्ति अपने देश ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए धन संपदा की मांग करता है। देश की संपन्नता के साथ व्यक्ति का सीधा जुड़ाव होता है, इसलिए यह पूजा व्यक्ति की संपन्नता में भी सहायक होती है। इसी प्रकार अंतिम तीन दिन मां सरस्वती को समर्पित रहते हैं। जो व्यक्ति को ज्ञान और विवेक से परिपूरित करती है। इन नौ दिवसीय पूजा के बाद व्यक्ति के मन में किसी प्रकार का कलुषित विकार नहीं होना चाहिए। इस पूजा में तीन तीन दिन की इस संकल्पना में पूरी तरह से धर्म को आधार बनाया गया है। जिस प्रकार भगवान या दैवीय शक्ति के लिए सारी दुनिया एक है। उसी प्रकार भगवान द्वारा पैदा किए गए व्यक्ति भी एक ही परिवार के हिस्सा हैं। वह किसी भूमि या जाति की दीवारों में कैद नहीं होने चाहिए। हमारे देश में बालिकाओं को देवी के रूप में पूजा जाता है। बालिका रूपी नन्ही दुर्गा जब मनुष्य को आशीर्वाद देती हैं, तब व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रगति को कोई ताकत रोक नहीं सकती। इसलिए हमें अपने संस्कारों का पालन करते हुए पूर्ण मनोयोग से ध्यान लगाकर पूजा अर्चना करना चाहिए।

सार्वजनिक पेशकश के जरिए जुटाया गया धन वित्त वर्ष 2020-21 में दोगुना हुआ

नई दिल्ली: वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुई अनिश्चितता के बावजूद वित्त वर्ष 2020-21 में सार्वजनिक निर्गम और राइट इश्यू के जरिए जुटाए गए धन में क्रमशः 115 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस दौरान 55 आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और एक अनुगामी सार्वजनिक पेशकश आया। बयान के मुताबिक वित्त वर्ष में 21 राइट इश्यू आए, जबकि इससे पिछले साल यह आंकड़ा 17 था। मंत्रालय ने कहा, ''2020-21 के दौरान सार्वजनिक निर्गम और राइट इश्यू के जरिए क्रमशः 46,029.71 करोड़ रुपए और 64,058.61 करोड़ रुपए जुटाए गए, जबकि इससे पिछले साल यह आंकड़ा 21,382.35 करोड़ रुपए और 55,669.79 करोड़ रुपए था। यह पिछले साल की तुलना में 2020-21 के दौरान क्रमशः 115 प्रतिशत और 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।' इसी तरह 2020-21 के दौरान कॉरपोरेट बॉन्ड के 2003 निर्गम आए, जिनकी कुल राशि 7,82,427.39 करोड़ रुपए थी। इन निर्गमों की संख्या में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि इनसे जुटाई गई राशि 13.5 प्रतिशत बढ़ी। बयान में कहा गया कि भारतीय पूंजी बाजार ने महामारी के प्रकोप से लगे झटकों को झेलने में अपनी मजबूती दिखाई है। मंत्रालय ने बताया कि म्यूचुअल फंड उद्योग के तहत प्रबंधित संपत्ति 31 मार्च, 2021 को इससे पिछले साल के मुकाबले 41 प्रतिशत बढ़कर 31,43 लाख करोड़ रुपए हो गई।

चिप की कमी से निपटने के लिए बैठक करने पर सैमसंग ने बाइडेन प्रशासन को दिया धन्यवाद

सोल। दुनिया के सबसे बड़े मेमोरी चिप निर्माता सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने बुधवार को उद्योग जगत में चिप की कमी को हल करने के लिए व्यापार जगत के लीडर्स के साथ बैठक करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी सरकार का आभार व्यक्त किया। सैमसंग उन 19 वैश्विक कंपनियों में से एक रही जिन्होंने व्हाइट हाउस की सोमवार को हुई इस वर्चुअल बैठक में भाग लिया, जहां बाइडेन ने सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश करने और देश की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग के फाउंड्री व्यवसाय के प्रमुख चोई सी-यंग ने कथित तौर पर वर्चुअल मीटिंग में भाग लिया। कंपनी की अमेरिकी सार्वजनिक मामलों की इकाई ने ट्विटर पर लिखा, सैमसंग उद्योग जगत के लीडर्स के साथ, किस प्रकार से सकारात्मक प्रभाव लाया जा सकता है और उन्नत सेमीकंडक्टर विनिर्माण के विकास को लेकर हुई इस खुली बातचीत को आयोजित करने के लिए पोट्स और उनके मंत्रिमंडल को धन्यवाद देना चाहता है। कंपनी की ओर से यह भी कहा गया कि वह दुनिया की सबसे अत्याधुनिक तकनीक के साथ अपने ग्राहकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस आवश्यक सेमीकंडक्टर विनिर्माण और अनुसंधान में 50 अरब डॉलर के निवेश को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस के साथ काम करने वाले प्रशासन को देखकर प्रसन्न भी हैं। यहां विश्लेषकों का अनुमान है कि सैमसंग बैठक के बाद संयुक्त राज्य में अपने निवेश में तेजी ला सकता है। दुनिया की नंबर 2 फाउंड्री कंपनी सैमसंग कथित तौर पर ऑस्टिन, टेक्सास में अपने फाउंड्री कारखाने के अलावा अमेरिका में एक नई चिप सुविधा स्थापित करने पर भी विचार कर रही है।

कोरोना की दूसरी लहर के बीच आई बुरी खबर, Goldman Sachs ने भारत की GDP दर का अनुमान घटाया

मुंबई:

भारत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के बीच वॉल स्ट्रीट की ब्रोकरेज कंपनी गोल्डमैन सैश ने चालू वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 10.9 प्रतिशत से घटाकर 10.5 प्रतिशत कर दिया है। इसके अलावा ब्रोकरेज ने शेयर बाजारों और आमदनी के अपने अनुमान में भी कमी की है। भारत में कोविड-19 के मामले रोजाना नए रिकॉर्ड पर पहुंच रहे हैं। साथ ही विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन भी लगातार बढ़ रहा है। सुनील कौल की अगुवाई में गोल्डमैन सैश के अर्थशास्त्रियों ने मंगलवार को जारी विस्तृत नोट में कहा कि महामारी के मामले रिकॉर्ड पर पहुंचने तथा कई प्रमुख राज्यों द्वारा सख्त लॉकडाउन लगाए जाने से वृद्धि को लेकर चिंता पैदा हुई है। इससे निवेशक वृहद अर्थव्यवस्था और आमदनी में सुधार को लेकर आशंकित हैं। गोल्डमैन सैश ने 2021 के लिए भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के अनुमान को 10.9 प्रतिशत से घटाकर 10.5 प्रतिशत कर दिया है। ब्रोकरेज कंपनी का अनुमान है कि इससे जून तिमाही की वृद्धि भी प्रभावित होगी। गोल्डमैन सैश ने इसके साथ 2021 में आमदनी में वृद्धि के अनुमान को 27 प्रतिशत से घटाकर 24 प्रतिशत कर दिया है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि अंकुशों में ढील और टीकाकरण की रफ्तार बढ़ने के बाद जुलाई से पुनरुद्धार फिर शुरू होगा। नोट में कहा गया है कि भरोसे का संकट शेयर बाजारों में भी दिख रहा है। निफ्टी में सोमवार को अकेले 3.5 प्रतिशत का नुकसान हुआ। गोल्डमैन सैश ने दूसरी यानी जून तिमाही के वृद्धि के अनुमान को कम किया है। हालांकि, उसने इसका कोई आंकड़ा नहीं दिया है। हालांकि, नोट में उम्मीद जताई है इन सब चीजों का कुल असर मामूली होगा, क्योंकि अंकुश कुछ क्षेत्रों में लगाए गए हैं।

कोविड वेरिएंट्स की वजह से अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा

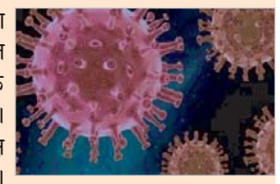

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रिकवरी के लिए नोवेल कोरोनावायरस के वेरिएंट्स को एक बड़े खतरे के तौर पर देखा जा रहा है। मिनियापोलिस रिजर्व बैंक के अध्यक्ष नील काशकारी ने यह बात कही। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, काशकारी ने वायरस के एक वेरिएंट का जिक्र करते हुए न्यूयॉर्क के ईकोनॉमिक क्लब को बताया, सबसे बड़ा खतरा तो मुझे इन वेरिएंट्स से रिकवरी की दिख रही है। उन्होंने जिस वेरिएंट का जिक्र किया, उसकी अधिकता देश के कई भागों में देखने को मिल रही है और जिसकी चपेट में युवा आसानी से आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर डेकेयर सेंटर्स और स्कूल वगैरह को वायरस के प्रसार पर काबू पाने के मद्देनजर बंद रखा जा रखा जा रहा है, तो इससे हम आने वाले समय में आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वह कहते हैं, ऐसा मेरा मानना नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों से जब मैंने बात की, तो उन्होंने मुझे इसकी चेतावनी की।

अपोलो टायर्स ने अमेरिका, कनाडा में ट्रक, बस टायर खंड में प्रवेश किया

नयी दिल्ली,

अपोलो टायर्स ने बुधवार को अमेरिका और कनाडा के बाजारों में ट्रक और बस टायर खंड में अपने प्रवेश की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा, वाणिज्यिक वाहन रेंज को अपोलो ब्रांड के तहत पेश किया गया है, हालांकि पीवी (यात्री वाहन) रेंज को प्रीमियम यूरोपीय ब्रांड, व्रेडेस्टीन के तहत पिछले सितंबर में बाजार में पेश किया गया था। उत्तर अमेरिकी रेंज के ट्रक और बस टायर का उत्पादन भारत के चेन्नई और हंगरी स्थित विनिर्माण इकाइयों में किया जाएगा। अपोलो टायर्स के सहायक उपाध्यक्ष (अमेरिका) अभिषेक बिष्ट ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर वाणिज्यिक वाहन टायर विनिर्माण और वितरण के दशकों के अनुभव के बाद उत्तरी अमेरिकी बाजार में प्रवेश किया है। हम बाजार में अधिक आकर्षक कीमत और उद्योग में सेवा तथा समर्थन के नए मानक स्थापित करते हुए तुरंत अपनी छाप छोड़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हमारा ध्यान, अपने डीलरों को अपने वाणिज्यिक ग्राहक को सर्वश्रेष्ठ मूल्य, सेवा और समर्थन देकर सशक्त बनाने पर है।''

कृषि में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा, सरकार ने किया माइक्रोसॉफ्ट के साथ समझौता

नई दिल्ली।

कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देकर खेती लागत कम करने और किसानों का उनकी फसलों का बेहतर दाम दिलाने के मकसद से लगातार कोशिश में जुटी भारत सरकार अब इस काम में दुनिया की दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की भी मदद ले रही है। इस सिलसिले में कृषि मंत्रालय ने माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट इंडिया फसलोपरांत प्रबंधन एवं वितरण सहित स्मार्ट एवं सुव्यवस्थित कृषि के लिए किसान इंटरफेस विकसित करने के लिए देश के छह राज्यों (उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, राजस्थान व आंध्रप्रदेश) के 10 जिलों में चयनित 100 गांवों में एक पायलेट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायती राज तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की मौजूदगी में मंगलवार को कृषि मंत्रालय और माइक्रोसॉफ्ट इंडिया ने यहां एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।इस मौके पर कृषि मंत्री ने कहा कि डिजिटल एग्रीकल्चर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना अब मूर्तरूप ले रही है। उन्होंने कहा, वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभालने के बाद से मोदी ने खेती-किसानी में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर बहुत बल दिया है, ताकि इसके माध्यम से किसानों को सुविधा हो और उनकी आमदनी बढ़ सकें। टेक्नोलॉजी के उपयोग से किसानों के लिए खेती मुनाफे का सौदा बनेगी, साथ ही नई पीढ़ी भी कृषि की ओर आकर्षित होगी। इसलिए इसका श्रेय प्रधानमंत्री को जाता है। केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि सरकार की पारदर्शिता की सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) सहित अन्य योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में जमा कराई जा रही है और मनरेगा में भी ऐसा ही हो रहा है। उन्होंने कहा, मनरेगा का सारा डेटा सरकार के पास उपलब्ध है, जिससे आज मजदूरी की राशि सीधे मजदूरों के बैंक खातों में जाती है। आज मनरेगा में लगभग 12 करोड़ लोग जॉब कार्डधारी है, जिनमें से लगभग 7 करोड़ लोग काम प्राप्त करने के लिए आते रहते हैं। उन्होंने कहा, कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र ने कोरोना महामारी जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी देश की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान दिया है। तोमर ने कहा, कृषि का कोई भी नुकसान देश का ही नुकसान होता है, इसलिए प्रधानमंत्री ने अनेक कार्य हाथ में लिए हैं। एक के बाद एक योजनाओं का सृजन व क्रियान्वयन हो रहा है,ताकि छोटे किसानों के लिए खेती लाभप्रद बने।

गूगल कर संग्रह हुआ दोगुना, बेंगलूरु शीर्ष पर

नई दिल्ली:

इक्वलाइजेशन लेवी या तथाकथित गूगल कर संग्रह 2020-21 में पिछले वर्ष के मुकाबले दोगुना हो गया। ऐसा अनिवासी ई-कॉमर्स परिचालकों को कर के दायरे में लाने के कारण हुआ है। कर संग्रह में यह इजाफा ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका में भारत के खिलाफ कदम उठाते हुए झींगा, बासमती चावल, सोना सहित विभिन्न भारतीय उत्पादों पर 25 फीसदी तक जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव लाया जा रहा है। डिजिटल लेवी का लक्ष्य अनिवासी ई-कॉमर्स परिचालकों से कर वसूलना है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक 2020-21 में कर संग्रह 2,057 करोड़ रुपए रहा जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 1,136 करोड़ रुपए रहा था। यह आंकड़ा अंतिम किस्त चुकाने की 7 अप्रैल की समय सीमा के बाद आया है। इससे पता चलता है कि वित्त वर्ष 2021 में इक्वलाइजेशन लेवी में सालाना आधार पर 81 फीसदी की वृद्धि हुई है। देश के सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र बेंगलूरु का इस कर संग्रह में 1,020 करोड़ रुपए के साथ करीब आधी हिस्सेदारी है। बड़ी आईटी कंपनियों वाले शहर हैदराबाद ने 538 करोड़ रुपए के साथ इसमें एक चौथाई का योगदान किया है। इसके बाद दिल्ली और मुंबई का स्थान है जहां से क्रमशः 323 करोड़ रुपए और 134 करोड़ रुपए का संग्रह हुआ है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा, इक्वलाइजेशन लेवी संग्रह अनुमान के मुताबिक है लेकिन इसके पीछे का विचार संग्रह नहीं है बल्कि विदेशी कंपनियों को भारत में कर के दायरे में लाना है जो यहां पर उपयोगकर्ताओं से मोटी कमाई करते हैं लेकिन देश में उनकी भौतिक उपस्थिति नहीं है। इक्वलाइजेशन लेवी महज एक अंतरिम उपाय है। हम डिजिटल करों पर ओईसीडी में बहुपक्षीय समझौता होने का इंतजार कर रहे हैं। ताजे आंकड़ों के मुताबिक एक ओर जहां वित्त वर्ष 2021 में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रहों में 10 फीसदी की कमी आई वहीं इस महामारी वर्ष में देश के आईटी केंद्र बेंगलूरु ने इसें 7.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। 20219-20 तक केवल डिजिटल विज्ञापन सेवाओं पर ही 6 फीसदी की दर से लेवी लागू था। सरकार ने पिछले वर्ष अप्रैल में इसके दायरे में विस्तार करते हुए सालाना 2 करोड़ रुपए का कारोबार करने वाली अनिवासी ई-कॉमर्स कंपनियों पर 2 फीसदी कर लगाया था। इसके दायरे में एडोब, उबर, उडेमी, जूमडॉटअस, एक्सपेडिया, अलीबाबा, आइकिया, लिंक्डइन, स्पोटिफाई और इबे जैसी कंपनियां शामिल हैं। एएमआरजी एसोसिएट्स में पार्टनर रजत मोहन ने कहा, इक्वलाइजेशन लेवी के दायरे में विस्तार के बावजूद पिछले वर्ष महामारी में उछाल आने और लोगों द्वारा सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करने के कारण ई-कॉमर्स कारोबार में उछाल देखी गई है जो लेवी के संग्रह में भी नजर आता है। सभी डिजिटल कारोबार बड़े शहरों में स्थापित हैं जिसके कारण इन शहरों के कर संग्रह में इजाफा होना लाजिमी है। इस बीच अमेरिका ने अपनी धारा 301 की रिपोर्ट में कहा है कि तकनीकी दिग्गजों पर भारत की ओर से 2 फीसदी का डिजिटल कर लगाया जाना अनुचित, बोझ बढ़ाने वाला और एमेजॉन, गूगल और फेसबुक जैसी अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है। उसने 30 अप्रैल तक भारत के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने के प्रस्ताव पर राय आमंत्रित की है। 10 मई को इस पर जन सुनवाई होनी है। वास्तव में सरकार ने वित्त विधेयक 2021-22 में स्पष्टीकरण लाकर इसके दायरे को बढ़ाया जिसमें ई-कॉमर्स आपूर्ति या सेवा को शामिल किया गया।

नौकरीपेशा के लिए खुशखबरी! 10% तक हो सकता है सैलरी में इजाफा

बिजनेस डेस्क:

देश में कोरोना की दूसरी लहर के बीच लोगों में लॉकडाउन और जॉब को लेकर टेंशन बनी हुई है। ऐसे में स्टाफिंग कंपनी जीनियस कंसल्टेंट्स के एक सर्वे में नौकरीपेशा के लिए राहत की खबर सामने आई है। सर्वे के अनुसार, कंपनियां अपने कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के मूड में है। यह इंक्रीमेंट 5 से 10 फीसदी तक हो सकता है। ज्यादातर नौकरीपेशा लोगों का सैलरी स्ट्रक्चर में बदलाव हो सकता है। जीनियस कंसल्टेंट्स के सर्वे में देशभर की 1200 कंपनियों को शामिल किया गया था। जिसमें से आधे से ज्यादा कंपनी अपने कर्मचारी की सैलरी बढ़ाने के पक्ष में हैं। 59 फीसदी कंपनियों ने कहा कि वे कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने के मूड में हैं। इस सर्वे में 20 फीसदी कंपनी का कहना है कि वो सैलरी बढ़ाएंगे लेकिन यह 5 फीसदी से भी कम, जबकि 21फीसदी कंपनियां 2021 सैलरी नहीं बढ़ाएंगी।

फ्रेशर को भी मिलेगा मौका

43 फीसदी कंपनियों का कहना है कि वो फ्रेशर्स को मौका देना चाहते हैं। वहीं, 41 फीसदी कंपनियों की योजना रिप्लेसमेंट हायरिंग यानी अनुभवी कर्मचारियों को नौकरी देने की है। जीनियस कंसल्टेंट्स ने इस सर्वे में **HR, IT, ITES, BPO** सहित बैंकिंग एंड फाइनेंस, कंस्ट्रक्शन और इंजीनियरिंग, एजुकेशन, लॉजिस्टिक हॉस्पिटैलिटी, मीडिया, फार्मा, मेडिकल, पावर एंड एनर्जी, रियल एस्टेट जैसी कंपनियां शामिल हुई थीं।

सैमसंग ने भारत में नियो क्यूएलईडी टीवी रेंज लॉन्च की

गुरुग्राम।

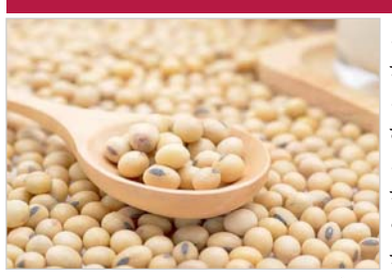

सैमसंग ने बुधवार को भारत में 99,990 रुपये से अपनी अल्ट्रा-प्रीमियम नियो क्यूएलईडी टीवी रेंज लॉन्च की, जो बेजल-लेस इन्फिनिटी वन डिजाइन और ट्रू-टू-लाइफ पिक्चर क्वालिटी को सपोर्ट करती है। नियो क्यूएलईडी 8के टीवी दो मॉडल क्यूएन800ए 75-इंच साइज के साथ और क्यूएन900ए 85-इंच साइज में उपलब्ध होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 2021 नियो क्यूएलईडी 4के टीवी लाइनअप भी दो मॉडल में उपलब्ध होगी, जिसमें क्यूएन85ए 75-इंच, 65-इंच और 55-इंच में और क्यूएन90ए 85-इंच, 65-इंच, 55-इंच और 50-इंच में उपलब्ध होगा। निओ क्यूएलईडी टीवी का चयन करने वाले उपभोक्ता गैलेक्सी टैब एस 7 प्लस, गैलेक्सी टैब एस 6 लाइट एलटीई, 20,000 रुपये तक का कैशबैक और 15 से 18 अप्रैल के बीच 1,990 रुपये से कम की ईएमआई जैसी पेशकशों का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग इंडिया में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट राजू पुलन ने एक बयान में कहा, नियो क्यूएलईडी टीवी के साथ क्यूएलईडी टीवी की अलगी पीढ़ी को लेकर हम ऐसे सफल एन्हांसमेंट दे रहे हैं, जो उपभोक्ताओं को इमर्सिव टीवी देखने की पूरी शक्ति को अनलॉक करने की अनुमति देते हैं। नियो क्यूएलईडी टीवी में क्वांटम मिनी एलईडी तकनीक है, जो रेगुलर एलईडी से 40 गुना छोटी है, जिससे डिवाइस को ठीक तरह से लाइट और कॉन्ट्रास्ट की सुविधा मिलती है।

प्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण दोगुना से ज्यादा बढ़ा भारत का सोया खली निर्यात

नई दिल्ली:

प्रतिस्पर्धी कीमतों के चलते वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत का सोया खली निर्यात दोगुना से ज्यादा उछाल के साथ 20.37 लाख टन पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2019-20 में देश से 9.84 लाख टन सोया खली का निर्यात गया था। प्रसंस्करणकर्ताओं के इंदौर स्थित संगठन सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इंदौर स्थित सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सोपा) के अध्यक्ष, डेविश जैन ने बताया कि 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष में ब्राजील,अमेरिका और अर्जेंटीना की सोया खली के भावों में अलग-अलग कारणों से इजाफा हुआ। जैन के मुताबिक इन कारणों में दक्षिण अमेरिका महाद्वीप में सूखे के प्रतिकूल मौसमी हालात के चलते ब्राजील और अर्जेंटीना में सोयाबीन का उत्पादन घटने की अटकलें प्रमुख हैं। उन्होंने बताया, ÷जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्राजील,अमेरिका और अर्जेंटीना की सोया खली के भाव चढ़े, भारत को निर्यात के मोर्चे पर फायदा मिला। इससे भारत की सोया खली की कीमतें तीनों देशों के इस उत्पाद के मुकाबले प्रतिस्पर्धी दायरे में आ गईं। नतीजतन गत नवंबर से फरवरी के बीच भारत के सोया खली निर्यात में बड़ा इजाफा देखने को मिला।÷ जानकारों ने बताया कि ब्राजील,अमेरिका और अर्जेंटीना विश्व के शीर्ष सोयाबीन उत्पादक हैं और इनकी गिनती सोया खली बाजार के बड़े खिलाड़ियों के रूप में होती है। आमतौर पर इनकी सोया खली भारत के मुकाबले सस्ती होती है जिससे ये मुल्क मूल्य प्रतिस्पर्धा में भारत को कड़ी टक्कर देते हैं। प्रसंस्करण संयंत्रों में सोयाबीन का तेल निकाल लेने के बाद बचने वाले उत्पाद को सोया खली (सोयाबीन का तेल रहित खल या डीओसी) कहते हैं। यह उत्पाद प्रोटीन का बड़ा स्त्रोत है। इससे सोया आटा और सोया बड़ी जैसे खाद्य पदार्थों के साथ पशु आहार तथा मुर्गियों का दाना भी तैयार किया जाता है।

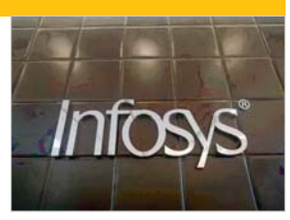

इंफोसिस को चौथी तिमाही में 5,074 करोड़ रुपए का प्रॉफिट

बिजनेस डेस्क:

आईटी की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी इंफोसिस ने 14 अप्रैल को मार्च 2021 तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। इस तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 2.6 फीसदी गिरकर 5078 करोड़ रुपए रहा। यह अनुमान से कम है। एनालिस्ट्स उम्मीद कर रहे थे कि चौथी तिमाही में इंफोसिस का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 5170.2 करोड़ रुपए रह सकता है। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर इंफोसिस की कंसॉलिडेटेड आमदनी 2.8 फीसदी बढ़कर 26,311 करोड़ रुपए रही। यह भी एनालिस्ट्स के अनुमान से कुछ कम है। एनालिस्ट्स 26,701.8 करोड़ रुपए कंसॉलिडेटेड आमदनी की उम्मीद कर रहे थे। बेंगलुरु की आईटी कंपनी ने फिस्कल ईयर 2021-2022 के लिए 12-14 फीसदी सेल्स ग्रोथ का टारगेट दिया है। जबकि उम्मीद जताई है कि इस दौरान मार्जिन बैंड 22-24 फीसदी रह सकता है। साल-दर-साल आधार पर इंफोसिस की आमदनी मार्च तिमाही में 9.6 फीसदी बढ़ी। इस दौरान मुनाफा 17 फीसदी बढ़ा है। मार्च में खत्म तिमाही में कंपनी की कंसॉलिडेटेड ऑपरेटिंग मार्जिन 24.5 फीसदी रहा। यह पिछली तिमाही से 0.90 फीसदी कम है।

डिविडेंड का ऐलान

कंपनी ने 15 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

25त्न प्रीमियम पर शेयर बायबैक करेगी कंपनी

चौथी तिमाही के नतीजों से पहले इंफोसिस के बोर्ड की आज अहम बैठक थी। इस बैठक में बोर्ड ने 1750 रुपए प्रति शेयर बायबैक करने की मंजूरी दे दी है। 13 अप्रैल को इंफोसिस के शेयरों के बंदभाव के मुकाबले यह 25 फीसदी ज्यादा है। 13 अप्रैल को कंपनी के शेयर 1402 रुपए पर बंद हुए थे। 14 अप्रैल को भीमराव अंबेडकर की जयंति के मौके पर बाजार बंद है। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने मंगलवार 13 अप्रैल को कहा था कि वह 9200 करोड़ रुपए के शेयर बायबैक करेगी। कंपनी ने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करते हुए यह भी बताया है कि फिस्कल ईयर 2021 में उसने 1 लाख करोड़ रुपए आमदनी का मुकाम हासिल कर लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

मेदवेदेव कोरोना से संक्रमित, मोंटे कार्लो मास्टर्स से हुए बाहर

मोनाको।

विश्व के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी रूस के डेनिल मेदवेदेव कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं जिसके बाद वह मोंटे कार्लो मास्टर्स से बाहर हो गए हैं। एटीपी ने बयान जारी कर कहा, 12 अप्रैल को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव पाए जाने के कारण मेदवेदेव ने मोंटे कार्लो मास्टर्स से नाम वापस ले लिया है। एटीपी ने बताया कि मेदवेदेव आईसोलेशन में हैं और टूर्नामेंट के फिजिशियन और एटीपी की मेडिकल टीम उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है। मेदवेदेव ने कहा, मोंटे कार्लो में नहीं खेलना दुखद है। मेरा ध्यान अभी स्वस्थ होने पर केंद्रित है और मैं जल्द से जल्द वापसी करना चाहता हूं।

आईपीएल 14

दिल्ली कैपिटल्स का सामना राजस्थान से होगा

मुंबई।

आईपीएल के पिछले सीजन की उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल के सातवें मुकाबले में सामना अपना पहला मैच हार चुकी राजस्थान राजस्थान के साथ गुरूवार को होगा।दिल्ली की टीम में दक्षिण अफ्रीकाई गेंदबाजों कैगिसो रबादा और एनरिच नॉर्त्जे की वापसी से उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है जबकि राजस्थान की टीम अभी भी अपने शीर्ष विदेशी खिलाड़ियों का इंतजार कर रही है।राजस्थान के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर चोटिल होने के कारण मैदान से बाहर हैं और वह कब तक वापसी करेंगे यह कहना मुश्किल है। इस बीच उसके शीर्ष ऑलराउंडर बेन स्टोक्स अंगुली में चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। स्टोक्स टीम को बाहर से समर्थन देने के लिए जुड़े रहेंगे लेकिन वह खेल नहीं सकेंगे। उनके नहीं रहने से राजस्थान के एकादश में खालीपन आएगा। राजस्थान ने इस सीजन के अपने पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश की थी और टीम के कप्तान संजू समैसन ने शतक ठोका था। हालांकि राजस्थान को करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। स्टोक्स के बदले राजस्थान दिल्ली के खिलाफ लियाम लिविंग्स्टोन या डेविड मिलर में से किसी को एकादश में शामिल कर सकती है। दिल्ली कैपिटल्स को इस सीजन के अपने पहले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत मिली थी और अब रबादा तथा नॉर्त्जे की वापसी से उसका गेंदबाजी आक्रमण भी मजबूत हो गया है। दिल्ली की टीम ने बल्लेबाजों की मददगार वाली पिच पर पिछले मैच में चेन्नई को 200 से कम के स्कोर पर रोका था। इसके बाद पृथ्वी शॉ और शिखर धवन ने शानदार पारी खेल टीम को जीत दिलाई और नए कप्तान ऋषभ पंत ने जीत के साथ सीजन की शुरूआत की थी। आंकड़ों के अनुसार और राजस्थान की टीम में चोट की समस्या को देखते हुए इस मुकाबले में दिल्ली का पलड़ा भारी है। हालांकि, पिछले मैच में सैमसन ने इस बात को साबित किया था कि टी20 क्रिकेट में एक अच्छी पारी मैच का रूख पलट सकती है। राजस्थान के लिए सैमसन को एक बार शानदार प्रदर्शन करना होगा जबकि क्रिस मोरिस पर भी दारोमदार होगा जो आईपीएल की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपये में बिके थे।

सेरेना विलियम्स डाक्यूसीरीज बनाएंगी, 'स्क्रिप्टिड' और 'नॉन स्क्रिप्टिड' कार्यक्रम शामिल

वाशिंगटन ।

अमेरिकी टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स ने 'एमेजन स्टूडियोज' से एक करार किया है जिसमें वह एक डाक्यूसीरीज सहित 'स्क्रिप्टिड' और 'नॉन स्क्रिप्टिड' कार्यक्रम बनाएंगी। इस टेनिस स्टार ने कहा कि इनमें उनकी कोर्ट और कोर्ट से बाहर की उपलब्धियां शामिल होंगी। सेरेना ने यह घोषणा अभिनेता माइकल बी जोर्डन के साथ बातचीत के दौरान की जिसे 'वैनिटी फेयर' मैगजीन द्वारा आयोजित किया गया था। यह साक्षात्कार जरूरतमंदों की मदद के लिए धन जुटाने के लिए कराया गया था। सेरेना 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब अपनी झोली में डाल चुकी हैं और सर्वकालिक खिताब जीतने की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह 'फिल्म और लोगों के घरों के लिए सचमुच विशेष बातें दे पाएंगी। हाल के दिनों में चोटों और बेटी के जन्म के बाद सेरेना का टेनिस कार्यक्रम सीमित हो गया है और वह फरवरी में नाओमी ओसाका से आस्ट्रेलियाई ओपन सेमीफाइनल में हारने के बाद नहीं खेली हैं। ओसाका ने यह ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

हॉकी : अर्जेंटीना ने भारत को 1-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स।

एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ तीसरे अभ्यास मुकाबले में 0-1 से हार का सामना करना पड़ा। अर्जेंटीना की ओर से लुकस तोसकानी ने मैच का एकमात्र गोल आठवें मिनट में किया। अर्जेंटीना ने इस बढ़त को पूरे मैच में बनाए रखा और भारत को हराया। भारत ने हाल ही में हॉकी प्रो लीग के दोनों मुकाबलों में ओलंपिक चैंपियन टीम को हराया था। भारत ने अर्जेंटीना के खिलाफ पहला मुकाबला शूटआउट में 3-2 से और दूसरा मुकाबला 3-0 से जीता था। इससे पहले, तीसरे मैच में अर्जेंटीना की ओर से तोसकानी ने पहले हॉफ में ही गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। भारत की ओर से शिलानंद लाकड़ा और मनदीप सिंह ने गोल करने के कुछ मौके बनाए, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर जुआन मैनुएल विवाल्दी ने गोल होने से रोक दिया। तीसरे क्वार्टर में भारत की ओर से सुरेंद्र कुमार ने पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन इसे गोल में बदलने में नाकाम रहे। चौथे क्वार्टर में भी यही स्थिति रही और दिलप्रीत सिंह, लाकड़ा और मंदीप ने गोल करने के मौके भुनाए, लेकिन सफल नहीं हो सके। भारत और अर्जेंटीना के बीच चौथा अभ्यास मैच बुधवार को होगा।

मनप्रीत और रानी को तोक्यो ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीमों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह को लगता है कि अगर उनकी टीम अपनी शानदार मौजूदा फार्म को जारी रखती है तो उसमें इस साल तोक्यो में ओलंपिक पदक के 4 दशक के सूखे को समाप्त करने की काबिलियत है। भारत ने अपने 8 ओलंपिक स्वर्ण पदकों का अंतिम पदक 1980 मॉस्को ओलंपिक में जीता था जिसके बाद टीम का स्तर काफी तेजी से नीचे गिर गया। लेकिन पिछले 2 वर्षों में भारत ने अच्छी प्रगति की है।मनप्रीत ने 23 जुलाई से आरंभ होने वाले तोक्यो खेलों की 100 दिन की उलटी गिनती शुरू होने के मौके पर कहा- पहले तो, काफी लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेलना अच्छा था। मैं पिछले 18 महीनों में टीम की प्रगति से काफी खुश हूं। अगर हम इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखते हैं तो मुझे भरोसा है कि हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं। भारतीय टीम ने हाल में एफआईएच प्रो लीग में मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना को पराजित किया। उन्होंने कहा- इस समय टीम के जज्बे का स्तर काफी ऊंचा हैं और जैसा कि मैंने पहले कहा कि हमें तोक्यो ओलंपिक से पहले अपने खेल को सुधारने के लिये प्रत्येक मौके का इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा- टीम में युवा काफी लंबे समय से खेल रहे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि यह फार्म जारी रहेगी और हम रियो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन दिखा सकेंगे। भारतीय पुरूष हॉकी टीम 2016 रियो ओलंपिक में निराशाजनक आठवें स्थान पर रही थी। मनप्रीत की तरह ही भारतीय महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल को भी तोक्यो में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। महिला टीम इस महासमर के इतिहास में पहली बार लगातार ओलंपिक खेलेगी। रानी ने कहा- दुनिया की दूसरे नंबर की अर्जेंटीना और जर्मनी के खिलाफ इस साल के शुरू में अपनी टीम के जुझारू प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा- निश्चित रूप से हम निराश हैं कि हम जीत दर्ज नहीं कर पाये लेकिन हमने दिखाया कि हम अपने से ऊंची रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वी को रोक सकते हैं। जर्मनी से लौटने के बाद हम अपनी 'फिनिशिंग' और तकनीक पर काफी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा- मुझे पूरा भरोसा है कि अगर हम इन अच्छे प्रदर्शन को नतीजों में तब्दील कर पाए तो हम भी ओलंपिक पदक की दौड़ में होंगे। हॉकी इंडिया ने एक विशेष 'पॉडकास्ट' सीरीज 'हॉकी ते चर्चा' लांच की है जिसके पहले एपिसोड में हरबिंदर सिंह से बातचीत शामिल होगी।

संक्षिप्त समाचार

वॉशिंगटन सुंदर को बैडमिंटन स्टार सायना से भारी प्रशंसा मिली

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी सायना नेहवाल ने बुधवार को भारत के क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर की विशेष तौर पर प्रशंसा की। सायना ने सुंदर की बैटिंग को लेकर ट्वीट किया, लोगों को यह पता नहीं है, लेकिन बैडमिंटन के साथ, मैं क्रिकेट का बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। खासकर जब भारत खेल रहा हो। मैंने हाल की सीरीज में वॉशिंगटन सुंदर का शानदार प्रदर्शन देखा है और उन्हें बैटिंग करते हुए देखकर मुझे बहुत मजा आया। तमिलनाडु के खिलाड़ी, जिन्हें शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया के 2020/21 के भारत दौरे के लिए नेट बॉलर के रूप में चुना गया था, ने कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद गाबा में में डेब्यू किया था। सुंदर ने न केवल स्टीव स्मिथ का विकेट हासिल किया, बल्कि उन्होंने शार्दुल ठाकुर के साथ सातवें विकेट के लिए 123 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। अपनी पहली टेस्ट पारी में सुंदर ने 62 रन बनाए। उनकी इस पारी की मदद से भारत ने इस मिथक को तोड़ दिया कि आस्ट्रेलियाई टीम ब्रिस्बेन में अजेय है। सायना के इस ट्वीट के जवाब में, सुंदर ने साइना को उनके अच्छे शब्दों के लिए धन्यवाद दिया और कहा, और लिखा आप से ऐसे प्रेरक शब्द सुनना अच्छा है!

कुश्ती : गुरप्रीत और संदीप को एशिया चैंपियनशिप में मिली हार

नई दिल्ली। भारत के पहलवान गुरप्रीत सिंह और संदीप को अलमाती में चल रहे एशिया कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन बाउट के कांस्य पदक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। गुरप्रीत को 77 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में कजाखस्तान के कैरात्बेक तुगोलबाएव से 0-5 से जबकि संदीप को 55 किग्रा वर्ग में किर्गिजस्तान के नुरमुखामेत अब्दुलाएव के हाथों 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को सबसे बड़ा झटका 87 किग्रा वर्ग में लगा जहां गत विजेता सुनील कुमार को ओपनिंग बाउट में विश्व कांस्य पदक विजेता उज्बेकिस्तान के रूस्तम आसाकालोव से पराजय झेलनी पड़ी। मुख्य कोच हरगोविंद सिंह ने आईएएनएस से कहा, यह टूर्नामेंट कठिन है। हमारे पहलवान पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन सही मौके का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। एशिया ओलंपिक क्वालीफायर्स में भारत के पांच ग्रीको रोमन पहलवान टोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करने के करीब थे लेकिन सभी सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गए। हर भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने वाले पहलवानों को ही ओलंपिक टिकट मिलेगा।

करोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच टोक्यो ओलंपिक में 100 दिन बाकी

टोक्यो।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बीच इस साल होने वाले टोक्यो ओलंपिक में 100 दिन शेष रह गए हैं। टोक्यो ओलंपिक का आयोजन पिछले साल होना था, लेकिन कोरोना वायरस के कारण इसे 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। ओलंपिक के मेजबान शहर टोक्यो में कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए शहर में महीने भर का सेमी स्टेट आपातकाल लगाया गया है। डीपीए रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो की गर्वनर यूरिको कोएके ने कहा, इस समय हमें मिलकर इस वायरस को फैलने से रोकने में एकजुट होना है और कोरोना वायरस को मात देनी है। हमें सभी के लिए ओलंपिक खेलों का आयोजन भी करना है। टोक्यो में मंगलवार को कोरोना वायरस के 510 नए मामले सामने आए थे जो तीन दिन में पहली बार 500 से ज्यादा का आकंड़ा पार कर गया था। देश के पश्चिमी प्रायद्वीप ओसाका में कोरोना के 1099 मामले सामने आए थे। लोवर हाउस समिति में कोरोना वायरस एडवाइजरी पैनल की प्रमख शिगेरु ओमी ने कोरोना के चौथी लहर की पुष्टि की। जापान में कोरोना टीकाकरण का कार्य भी सुस्ती से चल रहा है और स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय के अनुसार, अब तक सिर्फ 0.4 फीसदी लोगों का ही पूरी तरह टीकाकरण हुआ है। इस बीच, टोक्यो 2020 कॉर्डिनेशन कमिशन के प्रमुख जॉन कोएट्स ने वीडियो संदेश में कहा कि महामारी के बावजूद ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक का आयोजन 23 जुलाई से तय कार्यक्रम के अनुसार ही शुरू किया जाएगा।

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन नवंबर में ह्यूस्टन में होगा

बीजिंग।

अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने बताया है कि विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन इस साल 23 से 29 नवंबर तक अमेरिका के ह्यूस्टन में होगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, आईटीटीएफ ने बयान जारी कर कहा, हैरिस काउंटी स्पोर्टस ऑथिरिटी, यूएसएटीटी और यूएसओपीएस से चर्चा के बाद इस फैसले पर आगे बढ़े हैं। महामारी को देखते हुए जरूरी एहतियात बरते जाएंगे जिससे टूर्नामेंट का आयोजन सफल तरीके से हो सके। यह फैसला आईटीटीएफ कार्यकारी समिति की 11 अप्रैल को हुई बैठक में लिया गया। आईटीटीएफ के सीईओ स्टीव डेंटोन ने कहा, 2021 चैंपियनशिप की पुष्टि होना अच्छी खबर है। बुसान और दक्षिण कोरिया में 2020 विश्व चैंपियनशिप रद्द होने के बाद 2021 इवेंट का होना जरूरी है। ह्यूस्टन को इसकी मेजबानी दी गई है और विश्व के प्रशंसक पहली बार अमेरिका में इस इवेंट के लिए उत्साहित हैं। आईटीटीएफ कार्यकारी समिति की अगली ऑनलाइन बैठक 16 मई को होगी।

पोर्टो के खिलाफ हार के बावजूद चेल्सी सेमीफाइनल में

सेविले :

चेल्सी ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में पोर्टो के खिलाफ 0-1 से हार के बावजूद कुल स्कोर के आधार पर 2-1 से जीत दर्ज करते हुए चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेहदी तारेमी ने चैंपियन्स लीग के मौजूदा सत्र का संभवत- सबसे खूबसूरत गोल दागकर पुर्तगाल के चैंपियन पोर्टो को जीत दिलाई लेकिन यह टीम को अंतिम चार में जगह दिलाने के लिए काफी नहीं था। चेल्सी की टीम ने घरेलू मैदान पर 2-0 से जीत दर्ज की थी और कुल स्कोर के आधार पर 2-1 से जीत दर्ज करते हुए 2014 के बाद पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफल रही।

चैंपियंस लीग : बार्यन म्यूनिख से हारने के बावजूद पीएसजी सेमीफाइनल में

बर्लिन।

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को घरेलू मैदान में बार्यन म्यूनिख के खिलाफ यूएफा चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में भले ही 0-1 से हार का सामना करना पड़ा हो इसके बावजूद पीएसजी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गया है। डीपीए रिपोर्ट के अनुसार, क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मुकाबले में बार्यन म्यूनिख को 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था और उसे सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए कम से कम दो गोल करने थे लेकिन उसने इस मैच में एक ही गोल किया और वह सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। पीएसजी की टीम तीसरी बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में पहुंची है और इसके साथ ही उसने पहली बार इसका खिताब जीतने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। इससे पहले, बार्यन म्यूनिख की ओर से एरिक मैक्सिम चोउपो मोटिंग ने 40वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। बार्यन म्यूनिख ने इस बढ़त को पहले हॉफ में बरकरार रखा और पीएसजी को गोल करने नहीं दिया। दूसरे हॉफ में पीएसजी ने बराबरी हासिल करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो सके। निर्धारित समय तक पीएसजी बराबरी हासिल नहीं कर सका और उसे हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले मैच में मिली जीत के बाद दोनों टीमों के बीच एग्रिगेट 3-3 रहा और पीएजसी ने विरोधी टीम के मैदान पर अधिक गोल की बदौलत सेमीफाइनल में जगह बनाई। नेमार ने आरएमसी स्पोर्ट से कहा, मैं बहुत खुश हूं। हमने यूरोपियन चैंपियन को बाहर किया है। पीएसजी एक अच्छी टीम है और अब हम सेमीफाइनल में हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कोहली ने आरसीबी से जुड़ने का विचार दिया : मैक्सवेल

चेन्नई। रॉयल चेलेंजर बेंगलोर (आरसीबी) के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान कप्तान विराट कोहली ने पहली बार आरसीबी से जुड़ने का विचार उनके मन में डाला था। मैक्सवेल ने कहा, हमारे बीच बात होती थी और वनडे तथा टी20 सीरीज के बाद कोहली ने अवसर मिलने पर मुझे आरसीबी के लिए खेलने के बारे पूछा। उन्होंने कहा कि आप टीम से जुड़ेंगे तो अच्छा लगेगा। लेकिन हमें नीलामी से गुजरना होगा। उन्होंने कहा, कोहली ने कहा कि आपका टीम से जुड़ना अच्छा होगा। उन्होंने यह विचार मेरे मन लाया। इस प्रक्रिया में काफी लंबा काम हुआ और मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं अब आरसीबी के लिए खेलता हूं। मैक्सवेल किंग्स इलेवन पंजाब (पंजाब किंग्स) के लिए खेलते थे, लेकिन इस सीजन के लिए टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया था और आरसीबी ने खिलाड़ियों की नीलामी में उन्हें 14.25 करोड़ रूपये में खरीदा था।

अजय देवगन भी जल्द ही फुटबॉल पर आधारित फिल्म 'मैदान' में नजर आने वाले हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो फिल्म में दुनियाभर के फुटबॉल खिलाड़ियों को फिल्माया जाएगा। इस फिल्म में अजय मुख्य भूमिका में दिखेंगे। हाल में फिल्म के निर्देशक अमित शर्मा कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद फिल्म की शूटिंग बंद करनी पड़ी थी। खबरों के मुताबिक, अमित कोरोना संक्रमण से उबर चुके हैं और जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' में नजर आएंगे दुनियाभर के फुटबॉलर

बॉलीवुड में इन दिनों कई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्में बन रही है। अजय देवगन भी जल्द ही फुटबॉल पर आधारित फिल्म 'मैदान' में नजर आने वाले हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो फिल्म में दुनियाभर के फुटबॉल खिलाड़ियों को फिल्माया जाएगा। इस फिल्म में अजय मुख्य भूमिका में दिखेंगे। हाल में फिल्म के निर्देशक अमित शर्मा बताया, फिल्म 'मैदान' को बेहतरीन बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हमने दुनियाभर के फुटबॉल खिलाड़ियों को 'मैदान' में खेलने के लिए बुलाया है। ये फुटबॉल खिलाड़ी जापान, दक्षिण कोरिया, फ्रांस और थाईलैंड जैसी जगहों से आकर फिल्म का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भारत आने में कुछ समस्याएं हैं। उनके यहां लॉकडाउन होने के कारण वो 'मैदान' का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। बताया गया है कि इस फिल्म में कई सारे फुटबॉल मैचों की सीरीज देखने को मिल सकती है। इसमें भारत का मुकाबला अन्य देशों के खिलाड़ियों से होगा। अमित ने बताया, थाईलैंड के खिलाड़ी पहले से भारत में हैं। वे कोरोना से मेरी रिकवरी का इंतजार कर रहे हैं। हम जल्द उनके साथ शूटिंग शुरू करेंगे। इसके बाद हम अन्य देशों के साथ हर मैच के बीच एक ब्रेक के साथ मैच के सीन्स को शूट करेंगे। यह काफी मुश्किल शेड्यूल है। अमित ने आगे बताया कि सभी फुटबॉल मैचों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शूट किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि क्वालिटी को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उनका मानना है कि वह उस स्तर की फिल्म बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे भारत को गर्व होगा। अमित की फिल्म 'मैदान' भारतीय फुटबॉल के सुनहरे लम्हों पर आधारित सच्ची कहानी है।

अभी भी शूटिंग के पहले दिन घबराता हूं

अभिनेता इमरान हाशमी का कहना है कि इंडस्ट्री में कई साल बिता लेने के बावजूद वह किसी नई फिल्म की शुरुआत में काफी चिंतित रहते हैं। अभिनेता इमरान का कहना है कि उन्हें इस बात की फिक्र रहती है कि क्या वह अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगे या नहीं। उन्होंने बताया, हर फिल्म के साथ मेरी उम्मीद यही रहती है कि मैं अपने किरदार को अच्छे से निभाऊं। हर नए किरदार के साथ आपमें सीखने की भावना होनी चाहिए। ऐसा महसूस करना चाहिए जैसे कि आपको कुछ पता ही न हो। अभी भी शूटिंग के पहले दिन मैं घबरा जाता हूं, लेकिन धीरे-धीरे चीजें नॉर्मल हो जाती हैं। फिल्मों की बात करें, तो इमरान का आने वाला समय काफी व्यस्तताओं में से होकर गुजरेगा। वह हाल ही में फिल्म मुंबई सागा में नजर आएंगे। उनकी अगली फिल्म चेहरे रिलीज के लिए तैयार है। हालांकि कोरोना की दूसरी लहर के चलते इसे फिलहाल के लिए टालना पड़ा है। इमरान टाइगर 3 में भी नजर आएंगे।

महिलाओं को सम्मान जनक स्थिति में नहीं दिखाने वाली कहानी का हिस्सा नहीं बनूंगी

अहाना कुमरा कहती हैं कि एक अभिनेत्री होने के नाते वह सिनेमा की शक्ति और प्रभाव को समझती हैं और यही कारण है कि वह कभी भी एक ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं, जो महिलाओं के सम्मानजनक चित्रण की पेशकश नहीं करती है। उन्होंने कहा, ''मैं एक अभिनेत्री के रूप में जानती हूं, मेरे पास लोगों को प्रभावित करने की शक्ति है और मैं इसका उपयोग सही दिशा में करना चाहती हूं। फिल्में समाज, विशेष रूप से युवा दिमागों पर भारी प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए, मैं कभी भी एक ऐसे प्रोजेक्ट के साथ जुड़ना नहीं चाहती, जिसमें महिलाओं को गलत इमेज के साथ दिखाया जाएगा। यह महत्वपूर्ण है और महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के बारे में बातचीत करने के लिए एक सही समय है।'' अहाना ने हाल ही में मधुर भंडारकर की फिल्म इंडिया लॉकडाउन की शूटिंग शेड्यूल को समाप्त किया है। वह अनुपम खेर के साथ आगामी लघु फिल्म हैप्पी बर्थडे में भी दिखाई देंगी।

अक्षय कुमार को पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जाएगा सम्मानित

दुनियाभर के सेलेब्स पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुकता फैलाने में अपना योगदान दे रहे हैं और अपने फैंस से भी अपील करते रहते हैं कि वो पर्यावरण को बचाने में सहयोग करें। बॉलीवुड सेलेब्स की बात करें तो दीया मिर्जा, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन और अजय देवगन जैसे फिल्मी सितारों के नाम इस लिस्ट में शामिल हैं। अब इस कड़ी में एक्टर अक्षय कुमार का नाम भी जुड़ गया है। अक्षय वैसे भी कई सामाजिक काम करते रहते हैं। लेकिन अब खिलाड़ी कुमार को पर्यावरण संरक्षण में उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया जा रहा है। खबरों के मुताबिक, गोल्डन ग्लोब ऑनर्स फाउंडेशन अक्षय कुमार को हॉलीवुड सुपरस्टार लियानार्डो डिकैप्रियो और अन्य सितारों के साथ में सम्मानित किया जाएगा। अक्षय कुमार लगातार गरीब लोगों के बीच साफ-सफाई के लिए जागरुकता फैला रहे हैं। वहीं, लियानार्डो पिछले काफी समय से समुद्र में जैव विविधता और जंगलों के संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। ये पहली बार नहीं है जब अक्षय किसी ऐसे मुद्दे को लेकर जागरुकता फैला रहे हैं और इससे पहले भी उन्हें कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है। इससे पहले अक्षय ने सेनेटरी पैड और घरों में शौचालय बनवाने को लेकर भी जागरुकता फैलाई थी। उन्होंने इन मुद्दों से जुड़ी फिल्मों 'पैडमैन' और 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा' में अभिनय किया था। अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें तो आखिरी बार वह फिल्म 'लक्ष्मी' में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म 'सूर्यवंशी' और 'बेल बॉटम' है। सूर्यवंशी की रिलीज को कोरोना के चलते टाल दिया गया है। ये फिल्म साल 2020 में रिलीज होनी थी।

कोरोनावायरस से उबरे आर माधवन

देश में कोरोनावायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। इस महामारी की चपेट में कई बॉलीवुड सेलेब्स भी आ रहे है। बीते दिनों बॉलीवुड एक्टर आर माधवन भी कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। अब माधवन ने कहा कि वह कोरोनावायरस संक्रमण से उबर चुके हैं लेकिन अब भी अत्यधिक सावधानी बरत रहे हैं। अभिनेता ने ट्विटर पर कहा कि उनकी मां कोरोनावायरस से संक्रमित नहीं पाई गई हैं। माधवन ने लिखा, फिक्र और दुआ करने के लिए आप सभी का शुक्रिया। अम्मा समेत घर पर सभी लोग एक बार फिर कोविड-19 से पीड़ित नहीं पाए गए। उन्होंने कहा, हालांकि हमने संक्रमण का चरण पूरा कर लिया है लेकिन फिर भी हम सभी अत्यधिक सावधानी, एहतियात बरत रहे हैं और घर पर भी सभी नियमों का पालन कर रहे हैं। ईश्वर की कृपा से हम सभी अब स्वस्थ हैं। उनकी अगली फिल्म 'रॉकेट्री : द नाम्बी इफेक्ट' होगी जो निर्देशक के तौर पर भी उनकी पहली फिल्म होगी।

'खतरों के खिलाड़ी' के लिए राहुल वैद्य ने ठुकराया इस शो का ऑफर

बिग बॉस 14 के रनरअप राहुल वैद्य लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। अब राहुल को लेकर एक खास जानकारी सामने आई है जिसे सुनकर उनके फैंस बेहद खुश हो जाएंगे। बिग बॉस के बाद अब बहुत जल्द राहुल 'खतरों के खिलाड़ी' के अगले सीजन में नजर आने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, राहुल वैद्य को स्टार प्लस के 'नच बलिए' से भी ऑफर आया था लेकिन सिंगर ने इसे ठुकरा कर रोहित शेट्टी के एडवेंचर्स रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में जाने का फैसला लिया है। खबरों की मानें तो इससे पहले भी राहुल को 'खतरों के खिलाड़ी से ऑफर आए थे लेकिन अपनी हेल्थ इसूज को लेकर उन्हें उस वक्त मना कर दिया था। वहीं अब वह इस रियालिटी शो का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। खतरों के खिलाड़ी के मेकर्स की तरफ से बिग बॉस 14 के खत्म होने के बाद तुरंत राहुल वैद्य को संपर्क किया गया था। लेकिन राहुल के पीठ में चोट लगने की वजह से दोनों पक्ष ये सुनिश्चित करना चाहते थे कि राहुल बिना किसी दिक्कत स्टंट्स परफॉर्म कर पाए और अब राहुल पूरी तरह से से फिट हैं और इसलिए उन्हें ये शो करने के लिए हां कही है। राहुल वैद्य इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बने हुए हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि सिंगर ने अपनी गर्लफ्रेंड दिशा परमार के साथ शादी रचा ली है और उनकी शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। जिसके बाद दोनों के शादी का वीडियो सामने आया जो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इन तस्वीरों के वायरल होते ही ये कयास लगाया जाने लगा कि कि दोनों ने चोरी-चुपके शादी रचा ली है। लेकिन ये तस्वीरें और वीडियोज उनके आने वाले म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान की है। दोनों जल्द एक गाने में नजर आने वाले हैं जहां दोनों दूल्हा-दुल्हन बने दिखाई देंगे।

मई में रिलीज हो सकती है मनोज बाजपेयी की द फैमिली मैन 2

वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के दूसरे सीजन का फैन्स बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मनोज बाजपेयी स्टारर ये वेब सीरीज 2019 में रिलीज हुई थी, इसके बाद से ही इसके दूसरे सीजन का इंतजार जारी है। कुछ वक्त पहले ये रिलीज होने वाली थी लेकिन इसे टाल दिया गया। एंटरटेनमेंट वेबसाइट फिल्मीबीट की एक रिपोर्ट के मुताबिक द फैमिली मैन 2, मई महीने में रिलीज होगी। रिपोर्ट के मुताबिक सीरीज के डायरेक्टर राज एंड डीके बेताबी से अपनी वेब सीरीज को दर्शकों के सामने पेश करने का इंतजार कर रहे हैं।

एडिटिंग में हैं बिजी

बता दें कि द फैमिली मैन 2 का शूट काफी पहले पूरा हो चुका था, वहीं अब टीम इसकी एडिटिंग में बिजी है। ऐसे में द फैमिली मैन 2, मई में रिलीज होने के लिए तैयार है। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इसका एलान नहीं हुआ है, वहीं इसकी कोई तारीख भी सामने नहीं आई है।

विवाद से बचने के लिए आगे बढ़ी द फैमिली मैन 2

याद दिला दें कि कुछ वक्त रिलीज हुई तांडव को लेकर काफी बवाल देखने को मिला था। ऐसे में इस सीरीज को लेकर कोई भी विवाद न हो, जिसके चलते इसके कुछ सीन्स को बदलकर दोबारा शूट किया गया है, ताकि द फैमिली मैन 2 किसी भी विवाद में न फंसे। 'द फैमिली मैन 2' की स्क्रिप्ट पर दोबारा काम करने के बाद आखिरकार मेकर्स फाइनल प्रोडक्ट के साथ तैयार हैं और जल्द ही दर्शकों को सरप्राइज मिलेगा।

पिंजरा खूबसूरती का, के कास्ट में शामिल हुईं श्रुति उल्फत

अभिनेत्री श्रुति उल्फत टेलीविजन धारावाहिक 'पिंजरा खूबसूरती का' के कास्ट में शामिल हो गई हैं। वह फैशन टायकून और समाज सेविका विशाखा राजवंशी का किरदार निभाएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, ''विशाखा का किरदार कुछ ऐसा है, जो अपनी जिंदगी में काफी मुश्किल हालातों में से होकर गुजरी हैं और उन सभी का बेहतरी से सामना भी किया है। अब चूंकि उसके पास पावर है इसलिए वह संघर्षो से जूझ रही महिलाओं की मदद करना चाहती है ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सके। वह महिलाओं को सशक्त बनाना चाहती हैं और इसी काम के लिए उसने एक एनजीओ की शुरुआत की है।'' श्रुति ने बताया कि उनका किरदार शो में एक ट्विस्ट लेकर आएगा। विशाखा को मयूरा की मदद करते दिखाया जाएगा, जिसे रिया शर्मा निभा रही हैं। 'पिंजरा खूबसूरती का' में साहिल उप्पल भी शामिल हैं। इसे कलर्स पर प्रसारित किया जाता है।

मनोचिकित्सक की भूमिका निभाना भावनात्मक रूप से थकाने वाला रहा

अभिनेत्री संदीपा धर का कहना है कि वेब सीरीज बिसात में एक मनोचिकित्सक की भूमिका निभाना उनके लिए इमोशनली ड्रेनिंग (थकावट महसूस करना, जैसे आपके पास कोई ऊर्जा ही नहीं हो) अनुभव रहा। आठ भागों वाली यह वेब सीरीज विक्रम भट्ट द्वारा निर्देशित है और इसमें प्यार का पंचनामा 2 के अभिनेता ओमकार कपूर भी हैं। उन्होंने कहा, यह बिसात के लिए बहुत गहन शूटिंग थी, क्योंकि यह भावनात्मक रूप से थकाने वाला था। हमने शो की शूटिंग 50 दिनों से अधिक दिनों तक की और वह 50 दिन मेरे जीवन में सबसे अधिक भावनात्मक थकान भरे रहे। हालांकि एक अभिनेत्री के तौर पर यह बहुत संतोषजनक रहा है, क्योंकि प्रत्येक दिन जब भी मैं घर वापस आती, हालांकि मैं भावनात्मक और शारीरिक रूप से थका हुई होती थी, मुझे इस बात पर खुशी होती कि मैंने इसमें अपना सब कुछ दिया (संपूर्ण प्रयास) है। अपने किरदार कियाना को जीवंत बनाए रखने के लिए, संदीपा को यह समझना था कि नैदानिक मनोरोग की दुनिया में क्या होता है। इसके लिए वह मेडिकल प्रोफेशनल्स से भी मिलीं। उन्होंने कहा, ''मैंने एक-डेढ़ महीने अलग-अलग मनोचिकित्सकों से मुलाकात की, चिकित्सा की शर्तें, शब्दजाल, व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में उनकी जीवनशैली को समझा।'' 'बिसात' 15 अप्रैल से डिजिटल रूप से प्रसारित की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

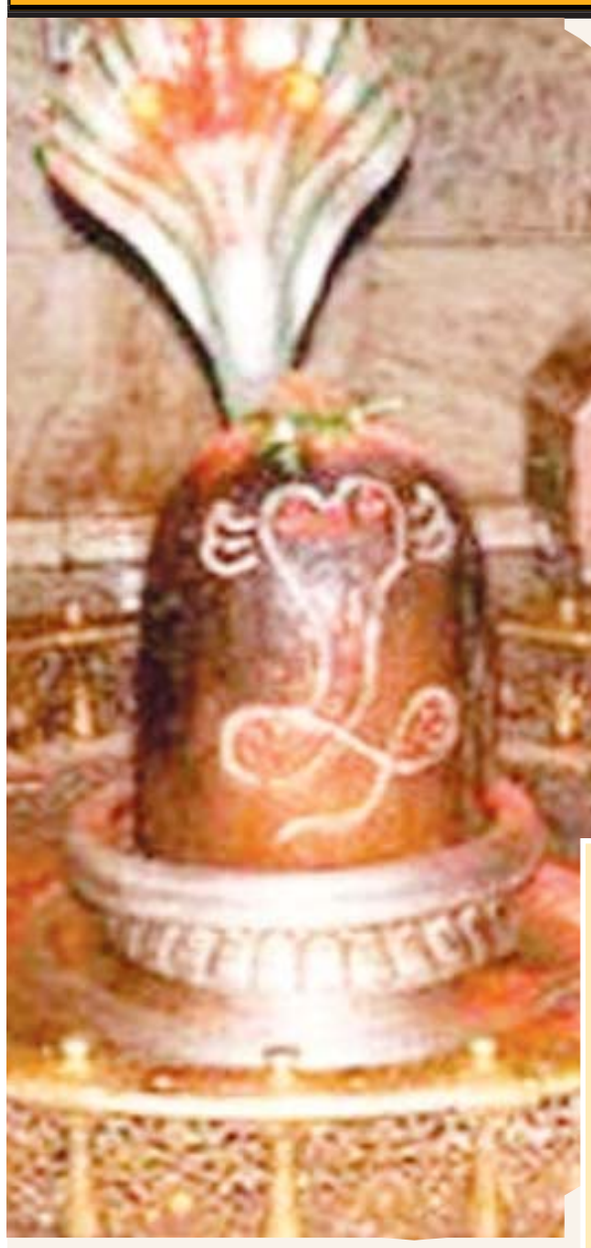

यहां के राजा हैं महाकाल

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्रमुख शहर है जो क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है। यह एक अत्यन्त प्राचीन शहर है। यह विक्रमादित्य के राज्य की राजधानी थी। इसे कालिदास की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर 12 वर्ष पर सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल इस नगरी में स्थित है । उज्जैन मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इन्दौर से 55 किमी पर है. उज्जैन के प्राचिन नाम अवन्तिका, उज्जयनी, कनकश्रन्गा आदि है। उज्जैन मन्दिरों की नगरी है। यहां कई तीर्थ स्थल हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 4 लाख है।

देवाधिदेव महादेव

उज्जैन के महाकालेश्वर की मान्यता भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में है। महाकालेश्वर मंदिर का महात्म्य विभिन्न पुराणों में विस्तृत रूप से वर्णित है। महाकवि तुलसीदास से लेकर संस्कृत साहित्य के अनेक प्रसिध्द कवियों ने इस मंदिर का वर्णन किया है। लोक मानस में महाकाल की परम्परा अनादि है। उज्जैन भारत की कालगणना का केंद्र बिन्दु था और महाकाल उज्जैन के अधिपति आदिदेव माने जाते हैं। इतिहास के प्रत्येक युग में-शुंग,कुशाण, सात वाहन, गुप्त, परिहार तथा अपेक्षाकृत आधुनिक मराठा काल में इस मंदिर का निरंतर जीर्णोध्दार होता रहा है। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण राणोजी सिंधिया के काल में मालवा के सूबेदार रामचंद्र बाबा शेणवी द्वारा कराया गया था। वर्तमान में भी जीर्णोध्दार एवं सुविधा विस्तार का कार्य होता रहा है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिण मुखी है। तांत्रिक परम्परा में प्रसिध्द दक्षिण मुखी पूजा का महत्व बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर कोही प्राप्त है। ओंकारेश्वर में मंदिर की ऊपरी पीठ पर महाकाल मूर्ति कीतरह इस तरह मंदिर में भी ओंकारेश्वर शिव की प्रतिष्ठा है।तीसरे खण्ड में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन केवल नागपंचमी को होते है। विक्रमादित्य और भोज की महाकाल पूजा के लिए शासकीय सनदें महाकाल मंदिर को प्राप्त होती रही है। वर्तमान में यह मंदिर महाकाल मंदिर समिति के तत्वावधान में संरक्षित है।

क्षिप्रा घाट

उज्जैन नगर के धार्मिक स्वरूप में क्षिप्रा नदी के घाटों का प्रमुख स्थान है। नदी के दाहिने किनारे, जहां नगर स्थित है, पर बने ये घाट स्थानार्थियों के लिये सीढ़ीबध्द हैं। घाटों पर विभिन्न देवी-देवताओं के नये-पुराने मंदिर भी है। क्षिप्रा के इन घाटों का गौरव सिंहस्थ के दौरान देखते ही बनता है, जब लाखों-करोड़ों श्रध्दालु यहां स्नान करते हैं।

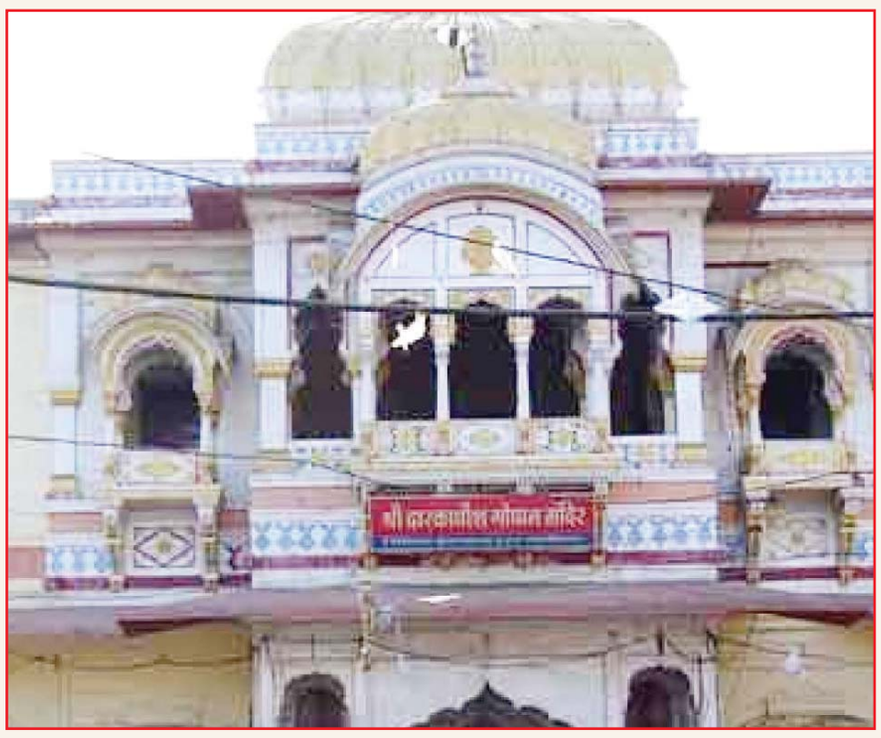

गोपाल मंदिर

गोपाल मंदिर उज्जैन नगर का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। यह मंदिर नगर के मध्य व्यस्ततम क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का निर्माण महाराजा दौलतराव सिंधिया की महारानी बायजा बाई ने सन् 1833 के आसपास कराया था। मंदिर में कृष्ण (गोपाल) प्रतिमा है। मंदिर के चांदी के द्वार यहां का एक अन्य आकर्षण हैं।

हरसिध्दि

उज्जैन नगर के प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में हरसिध्दि देवी का मंदिर प्रमुख है। चिन्तामण गणेश मंदिर से थोड़ी दूर और रूद्रसागर तालाब के किनारे स्थित इस मंदिर में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा हरसिध्दि देवी की पूजा की जाती थी। हरसिध्दि देवी वैष्णव संप्रदाय की आराध्य रही। शिवपुराण के अनुसार दक्ष यज्ञ के बाद सती की कोहनी यहां गिरी थी।

पुराणों में वर्णित अष्ट भैरव में काल भैरव का स्थ सिंहस्थ कुम्भ

सिंहस्थ उज्जैन का महान स्नान पर्व है। बारह वर्षों के अंतराल से यह पर्व तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि पर स्थित रहता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियां चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारंभ होती हैं और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अंतिम स्नान तक भिन्न-भिन्न तिथियों में सम्पन्न होती है। उज्जैन के महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गए हैं। देश भर में चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। प्रयास, नासिक, हरिध्दार और उज्जैन में लगने वाले कुम्भ मेलों के उज्जैन में आयोजित आस्था के इस पर्व को सिंहस्थ के नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन में मेष राशि में सूर्य और सिंह राशि में गुरू के आने पर यहाँ महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसे सिहस्थ के नाम से देशभर में पुकारा जाता है। सिंहस्थ आयोजन की एक प्राचीन परम्परा है। इसके आयोजन के संबंध में अनेक कथाएँ प्रचलित है। अमृत बूंदे छलकने के समय जिन राशियों में सूर्य,चन्द्र, गुरू की स्थिति के विशिष्ट योग के अवसर रहते हैं, वहां कुंभ पर्व का इन राशियों में गृहों के संयोग पर आयोजन होता है। इस अमृत कलश की रक्षा में सूर्य,गुरू और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे। इसी कारण इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ पर्व मनाने की परम्परा है।

काल भैरव

काल भैरव मंदिर आज के उज्जैन नगर में स्थित प्राचीन अवंतिका नगरी के क्षेत्र में स्थित है। यह स्थल शिव के उपासकों के कापालिक सम्प्रदाय से संबंधित है। मंदिर के अंदर काल भैरव की विशाल प्रतिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में राजा भद्रसेन ने कराया था।

गढ़कालिका देवी

गढ़कालिका देवी का यह मंदिर आज के उज्जैन नगर में प्राचीन अवंतिका नगरी क्षेत्र में है। कालयजी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के उपासक थे। इस प्राचीन मंदिर का सम्राट हर्षवर्धन द्वारा जीर्णोध्दार कराने का उल्लेख मिलता है। गढ़ कालिका के मंदिर में माँ कालिका के दर्शन के लिए रोज हजारों भक्तों की भीड़ जुटती है। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारिक मंदिर की प्राचीनता के विषय में कोई नहीं जानता, फिर भी माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारतकाल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग के काल की है। बाद में इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार सम्राट हर्षवर्धन द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। स्टेटकाल में ग्वालियर के महाराजा ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

भर्तृहरि गुफा

भर्तृहरि की गुफा ग्यारहवीं सदी के एक मंदिर का अवशेष है, जिसका उत्तरवर्ती दोर में जीर्णोध्दार होता रहा ।

श्री बड़े गणेश मंदिर

श्री महाकालेश्वर मंदिर के निकट हरसिध्दि मार्ग पर बड़े गणेश की भव्य और कलापूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति का निर्माण पद्मविभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास के पिता विख्यात विद्वान स्व. पं. नारायण जी व्यास ने किया था। मंदिर परिसर में सप्तधातु की पंचमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा कृष्ण यशोदा आदि की प्रतिमाएं भी विराजित हैं।

मंगलनाथ मंदिर

पुराणों के अनुसार उज्जैन नगरी को मंगल की जननी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी कुंडली में मंगल भारी रहता है, वे अपने अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए यहाँ पूजा-पाठ करवाने आते हैं। यूँ तो देश में मंगल भगवान के कई मंदिर हैं, लेकिन उज्जैन इनका जन्मस्थान होने के कारण यहाँ की पूजा को खास महत्व दिया जाता है।कहा जाता है कि यह मंदिर सदियों पुराना है। सिंधिया राजघराने में इसका पुनर्निर्माण करवाया गया था। उज्जैन शहर को भगवान महाकाल की नगरी कहा जाता है, इसलिए यहाँ मंगलनाथ भगवान की शिवरूपी प्रतिमा का पूजन किया जाता है। हर मंगलवार के दिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है।

उज्जैन के कई नाम

आज जो नगर उज्जैन नाम से जाना जाता है वह अतीत में अवंतिका, उज्जयिनी, विशाला, प्रतिकल्पा, कुमुदवती, स्वर्णश्रृंगा,अमरावती आदि अनेक नामों से अभिहित रहा। मानव सभ्यता के प्रारंभ से यह भारत के एक महान तीर्थ-स्थल के रूप में विकसित हुआ। पुण्य सलिला क्षिप्रा के दाहिने तट पर बसे इस नगर को भारत की मोक्षदायक सप्तपुरियों में एक माना गया है।

आज का उज्जैन

वर्तमान उज्जैन नगर विंध्यपर्वतमाला के समीप और पवित्र तथा ऐतिहासिक क्षिप्रा नदी के किनारे समुद्र तल से 1678 फीट की ऊंचाई पर 23 डिग्री.50% उत्तर देशांश और 75 डिग्री .50% पूर्वी अक्षांश पर स्थित है। नगर का तापमान और वातावरण समशीतोष्ण है। यहां की भूमि उपजाऊ है। कालजयी कवि कालिदास और महान रचनाकार बाणभट्ट ने नगर की खूबसूरती को जादुई निरूपति किया है। कालिदास ने लिखा है कि दुनिया के सारे रत्न उज्जैन में हैं और समुद्रों के पास सिर्फ उनका जल बचा है। उज्जैन नगर और अंचल की प्रमुख बोली मीठी मालवी बोली है। हिंदी भी प्रयोग में है। उज्जैन इतिहास के अनेक परिवर्तनों का साक्षी है। क्षिप्रा के अंतर में इस पारम्परिक नगर के उत्थान-पतन की निराली और सुस्पष्ट अनुभूतियां अंकित है। क्षिप्रा के घाटों पर जहां प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा बिखरी पडी है, असंख्य लोग आए और गए। रंगों भरा कार्तिक मेला हो या जन- संकुल सिंहस्थ या दिन के नहान, सब कुछ नगर को तीन और से घेरे क्षिप्रा का आकर्षण है। उज्जैन के दक्षिण-पूर्वी सिरे से नगर में प्रवेश कर क्षिप्रा ने यहां के हर स्थान से अपना अंतरंग संबंध स्थापित किया है। यहां त्रिवेणी पर नवगृह मंदिर है और कुछ ही गणना में व्यस्त है। पास की सडक आपको चिन्तामणि गणेश पहुंचा देगी। धारा मुड़कर गई तो क्या हुआ? ये जाने पहचाने क्षिप्रा के घाट है, जो सुबह-सुबह महाकाल और हरसिध्दि मंदिरों की छाया का स्वागत करते है। क्षिप्रा जब पूर आती है तो गोपाल मंदिर की देहली छू लेती है। दुर्गादास की छत्री के थोडे ही आगे नदी की धारा नगर के प्राचीन परिसर के आस-पास घूम जाती है। भर्तृहरि गुफा, पीर मछिन्दर और गढकालिका का क्षेत्र पार कर नदी मंगलनाथ पहुंचती है। मंगलनाथ का यह मंदिर सान्दीपनि आश्रम और निकट ही राम-जनार्दन मंदिर के सुंदर दृश्यों को निहारता रहता है। सिध्दवट और काल भैरव की ओर मुत्रडकर क्षिप्रा कालियादेह महल को घेरते हुई चुपचाप उज्जैन से आगे अपनी यात्रा पर बढ जाती है। कवि हों या संत, भक्त हों या साधु, पर्यटक हों या कलाकार,पग-पग पर मंदिरों से भरपूर क्षिप्रा के मनोरम तट सभी के लिए समान भाव से प्रेरणाम के आधार है।

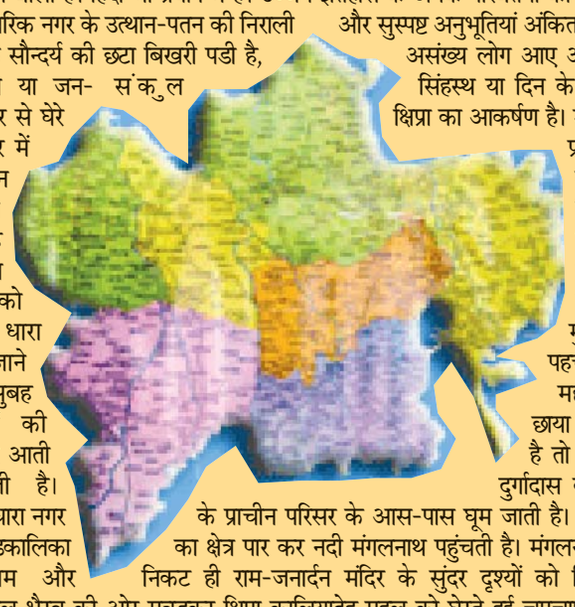

US खुफिया रिपोर्ट का दावा- चीन-भारत सीमा पर तनाव बरकरार, और बढ़ेगी खींचतान

वाशिंगटन।

अमेरिका के खुफिया समुदाय ने संसद से कहा कि इस साल सैनिकों को हटाए जाने के बावजूद चीन-भारत सीमा पर ''अधिक'' तनाव बना हुआ है। उसने कहा कि चीन अपनी बढ़ती ताकत दिखाने तथा पड़ोसी देशों को विवादित क्षेत्र पर अपने दावों समेत अपनी प्राथमिकताओं को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने के लिए विवश करने के वास्ते सभी हथकंडे आजमाना चाहता है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय (ODNI) ने अमेरिकी संसद को दी अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा कि चीन विदेश में अपनी आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य मौजूदगी का विस्तार करने के लिए अरबों डॉलर के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का प्रचार करता रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अपनी बढ़ती ताकत को दिखाने तथा पड़ोसी देशों को विवादित क्षेत्र तथा ताइवान पर संप्रभुत्ता के दावों समेत अपनी प्राथमिकताओं को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने के लिए विवश करने के वास्ते सभी हथकंडे आजमाना चाहता है। चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से सैन्य और आर्थिक प्रभाव बढ़ा रहा है जिससे क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच चिंता पैदा हो गई है। उसके दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर दोनों में गंभीर क्षेत्रीय विवाद हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ताइवान पर एकीकरण के लिए दबाव बढ़ाता रहेगा और अमेरिका-ताइवान के बीच बढ़ते रिश्तों की निंदा करता रहेगा। दरअसल, चीन ताइवान को एक बागी प्रांत की तरह देखता है जिसका एकीकरण होना चाहिए चाहे इसके लिए उसे बलप्रयोग क्यों न करना पड़े। अमेरिकी खुफिया समुदाय ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि खींचतान बढ़ेगी, क्योंकि बीजिंग ने ताइपे को अंतर्राष्ट्रीय तौर पर अलग-थलग और आर्थिक समृद्धि के लिए चीन पर निर्भर दिखाने की कोशिशें तेज कर दी हैं तथा वह इस द्वीप के आसपास सैन्य गतिविधि बढ़ा रहा है।'' ODNI ने कहा कि चीन ''टीका कूटनीति'' के जरिए अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करेगा जिसके तहत वह उन देशों को कोविड-19 टीके उपलब्ध कराएगा जिनसे उसे फायदा लेना है। चीन कोविड-19 का टीका बना रहा है। उसने कहा, ''चीन अमेरिका की प्रौद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए सबसे बड़ा खतरा बना रहेगा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों और वाणिज्यिक एवं सैन्य प्रौद्योगिकी को निशाना बनाती है। साथ ही चीन अपनी प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने के वास्ते जासूसी और चोरी के लिए विभिन्न हथकंडों का इस्तेमाल करता है।" बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 2013 में सत्ता में आने के बाद अरबों डॉलर की BRI परियोजना शुरू की थी। इस परियोजना का मकसद दक्षिणपूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को जमीन तथा समुद्र मार्गों से जोड़ने का है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''इस साल कुछ सैनिकों की वापसी के बावजूद चीन-भारत के बीच अधिक तनाव बना हुआ है। विवादित सीमा क्षेत्रों में मई 2020 से चीनी सेना की मौजूदगी, दशकों में अब तक की सबसे गंभीर तनावपूर्ण स्थिति है और इसके चलते 1975 के बाद से दोनों देशों के बीच सीमा पर पहली जानलेवा झड़प हुई।'' इसमें कहा गया है, ''फरवरी तक कई दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों ने विवादित सीमा के कुछ इलाकों से सेनाओं तथा सैन्य उपकरणों को हटाया।''

ऑस्ट्रेलिया में 4 पुलिस अधिकारियों की हत्या मामले में भारतवंशी ड्राइवर को 22 साल जेल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के चालक मोहिंदर सिंह (48) को पुलिस अधिकारियों पर ट्रक चढ़ाने और उनमें से चार की हत्या करने के जुर्म में बुधवार को 22 साल की जेल की सजा सुनाई गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार घटना पिछले साल मेलबर्न के ईस्टर्न फ्रीवे की है। हादसे के वक्त ट्रक चालक नशे में था और उसे नींद भी आ रही थी। विक्टोरिया के उच्चतम न्यायालय ने मोहिंदर सिंह को सजा सुनाई। घटना के वक्त सिंह थका हुआ और नशे में था। घटना से पहले वह मादक पदार्थ का एक सौदा करने के लिए रास्ते में रुका था। द गार्जियन की खबर के मुताबिक हादसे में कांस्टेबल लिनेट टेलर, वरिष्ठ कांस्टेबल केविन किंग और कांस्टेबल ग्लेन हम्फ्रिस और जोश प्रिस्टनी की मौत हो गई थी। खबर के अनुसार सिंह को 22 साल की जेल की सजा सुनाई गई जिसमें से साढ़े 18 साल तक उसे पेरोल नहीं मिलेगी। अन्य चालकों ने भी सिंह को लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए देखा था। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, ''वह किसी की हत्या करने के लिए जा रहा था।'' जांचकर्ताओं ने बताया कि सिंह आइस नामक ड्रग का आदी था और उसने हादसे से पहले 72 में से महज पांच घंटे ही विश्राम किया था और इन तीन दिनों में अधिकतर समय मादक पदार्थों का सौदा करने और सेवन करने में बिताया।

सद्भावना यात्रा पर श्रीलंका पहुंचा भारतीय नौसेना का जहाज INS रणविजय, मित्रता का लाया संदेश

नेशनल डेस्क।

श्रीलंका और भारत के बीच करीबी समुद्री और सुरक्षा सहयोग विकसित करने के प्रयासों के तहत भारतीय नौसेना का जहाज INS रणविजय तीन दिवसीय सद्भावना यात्रा पर बुधवार को श्रीलंका पहुंचा। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि भारतीय नौसेना का जहाज सिंहला और तमिल नववर्ष 'अवुरुदु' के शुभ अवसर पर श्रीलंका के लोगों के लिए एकजुटता और सद्भाव का संदेश लेकर कोलंबो आया है। उच्चायोग ने कहा, कि भारत और श्रीलंका रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में पारंपरिक रूप से एक-दूसरे का सहयोग करते रहे हैं। इनकी नौसेनाएं प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग का आदान प्रदान करती रही हैं। इस जहाज की यात्रा दोनों मित्र और करीबी पड़ोसी देशों के बीच नजदीकी समुद्री तथा सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक और कदम है। बयान के अनुसार ढ्ढह्वस्र रणवजिय पनडुब्बी भेदी युद्धपोत है, जो निर्देशित मिसाइल विनाशक ले जाने में सक्षम है। 'कोलंबो गजट' की खबर के अनुसार जहाज की कमान कैप्टन नायरायण हरिहरन के हाथों में है। वह गुरुवार को पश्चिमी नौसेना क्षेत्र के क्षेत्रीय कमांडर रियर एडमिरल डब्ल्यूडीईएम सुरदर्शन से मुलाकात करेंगे और भारतीय शांतिरक्षक स्मारक जाएंगे। भारत-श्रीलंका समझौते के तहत आईपीकेएफ ने 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका के युद्धग्रस्त उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में सेवाएं दी थीं।

इमरान सरकार ने कट्टर इस्लामी दल पर कसा शिकंजा, लगाया प्रतिबंध

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान ने एक कट्टर इस्लामी पार्टी के समर्थकों की लगातार तीसरे दिन कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ झड़प के बाद बुधवार को आतंकवाद अधिनियम के तहत उस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इन झड़पों के दौरान सात लोगों की मौत हो चुकी है और 300 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। गृह मंत्री शेख राशिद ने पत्रकारों से कहा कि तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) को 1997 के आतंकवाद रोधी अधिनियम के नियम 11-बी के तहत प्रतिबंधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने टीएलपी पर प्रतिबंध लगाने के लिये पंजाब सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।' अहमद ने कहा कि बीते दो दिन में प्रदर्शनकारियों के साथ झड़पों में कम से कम दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो चुकी है और 340 से अधिक घायल हुए हैं। मीडिया में आईं खबरों में बताया गया है कि दो प्रदर्शनकारियों की भी मौत हुई है। पार्टी समर्थकों ने पैगंबर मोहम्मद का कार्टून प्रकाशित करने के लिये फ्रांस के राजदूत को निष्कासित करने के लिये इमरान खान सरकार को 20 अप्रैल तक का समय दिया था, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने सोमवार को पार्टी के प्रमुख साद हुसैन रिज्वी को गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद टीएलपी ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मंत्री ने यह भी कहा कि सभी सड़कों को खाली करा लिया गया है और प्रमुख शहरों के मुख्य चौराहों से प्रदर्शनकारियों को हटाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां उन स्थानों पर काम कर रही हैं, जहां अभी भी प्रदर्शनकारी मौजूद हैं। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सरकार ने पिछले साल नवंबर में फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने पर सहमति जताते हुए एक समझौते पर हस्ताक्षर किये थे।

जिबूती में नाव पलटने से मरने वालों का आंकड़ा 42 हुआ

अदीस अबाबा। जिबूती तट पर नाव पलटने के कारण 42 लोगों की जान चली गई। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने इसकी जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र की माइग्रेशन एजेंसी ने कहा, यमन में लगभग 60 प्रवासियों को तस्कर नाव से ले जा रहे थे, जिसमें कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आईओएम ने कहा कि मृतक में 16 बच्चे थे। सोमवार को आईओएम ने बताया कि तस्करों द्वारा ले जा रहे 34 प्रवासियों की मौत हो गई। एजेंसी ने कहा, खतरों के बावजूद जिबूती पहुंचने वाले प्रवासियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है। फरवरी में 1,900 की तुलना में मार्च में 2,343 से अधिक प्रवासी यमन से पहुंचे । यमन में फंसे प्रवासियों की स्थिति इतनी दुखद हो गई है कि प्रवासियों के पास कोई विकल्प नहीं बचा है, लेकिन घर लौटने के लिए तस्करों पर भरोसा कर रहे हैं। आईओएम ने सरकारों से प्रवासियों को सुरक्षित घर लौटने की अनुमति देने का आह्वान किया है।

श्रीलंका ने ISIS और अल कायदा समेत 11 संगठनों पर लगाया बैन

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने देश में चरमपंथी गतिविधियों से जुड़े होने के कारण इस्लामिक स्टेट (ISIS) और अल कायदा समेत 11 कट्टर इस्लामी संगठनों पर बैन लगा दिया है। एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने मंगलवार को जारी किए गए विशेष राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से आतंकवाद निरोधक कानून के तहत कट्टरपंथी संगठनों पर पाबंदी लगा दी। अधिसूचना के अनुसार, कानून का पालन न करने वाले या ऐसी किसी साजिश में शामिल होने वाले किसी भी व्यक्ति को 10 से 20 साल कैद की सजा हो सकती है। प्रतिबंधित संगठनों में श्रीलंका इस्लामिक स्टूडेंट्स मूवमेंट समेत कुछ स्थानीय मुस्लिम समूह शामिल हैं। वर्ष 2019 में ईस्टर पर हुए आत्मघाती हमले के बाद श्रीलंका सरकार ने स्थानीय जिहादी समूह नेशनल तौहीद जमात तथा दो अन्य संगठनों को प्रतिबंधित कर दिया था।

पाक में इस्लामवादियों के बवाल में 12 की मौत, वैशाखी मनाने गए भारतीय सिख यात्री फंसे मुसीबत में

पेशावर:

फ्रांस में ईशनिंदा वाले कुछ प्रकाशनों को लेकर यहां फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे एक इस्लामवादी पार्टी के समर्थकों के साथ पुलिस की झड़प के बाद हिंसा भड़क गई। इससे पहले इस्लामवादी पार्टी के प्रमुख की गिरफ्तारी के बाद कई जगह प्रदर्शन हुए। इस हिंसा में तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (TLP) द्वारा कम से कम एक पुलिसकर्मी की हत्या की खबर सामने आई है जबकि इस संगठन का दावा है कि पुलिसकर्मियों की गोली से इसके 12 सदस्यों की मौत हो गई। हिंसा के बाद बैसाखी मनाने गए भारतीय सिख यात्री मुसीबत में फंस गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गुलाम मोहम्मद डोगर ने बताया कि तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के प्रमुख साद रिज़वी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। रिज़वी ने धमकी दी थी कि अगर सरकार पैगंबर मोहम्मद का चित्र प्रकाशित किये जाने को लेकर फ्रांस के राजदूत को निष्कासित नहीं करती है तो प्रदर्शन शुरू किए जाएंगे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और सोमवार को हिंसा शुरू हो गई। करीब 800 से ज्यादा भारतीय सिख TLP द्वारा सड़क जाम करने की वजह से टेंशन में हैं। पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने बताया, ' रावलपिंडी के हसनाबदल में गुरुद्वारा पंजा साहिब में वैशाखी उत्सव में शामिल होने के लिए सोमवार को आए भारतीय सिखों का जत्था इस विरोध प्रदर्शन की वजह से गुरुद्वारा नहीं पहुंच पाया है।' इस खबर के लिखे जाने तक भी सिख श्रद्धालु हसनाबदल नहीं पहुंचे हैं। गुरुद्वारा में मुख्य कार्यक्रम बुधवार को है। अधिकारी ने बताया कि उन्हें जत्थे के बुधवार तड़के गंतव्य स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है।

सीएमजी का पहला ओवरसीज इमेज फेस्टिवल ने थीम सॉन्ग प्रकाशित किया

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र चीनी दिवस यानी सीएमजी का पहला ओवरसीज इमेज फेस्टिवल-2021 ने 13 अप्रैल को थीम सॉन्ग वसंत गीत प्रकाशित किया। संयुक्त राष्ट्र में चीन का स्थायी कार्यालय, स्विट्जरलैंड में अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडल, जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) ने संयुक्त रूप से इस गतिविधि का आयोजन किया। बेल्जियम के संगीतकार ज्यां-फ्रांकोइस मालजीन ने चीनी संगीत निर्माता हे ल्यो और ब्रिटिश संगीतकार रॉबर्ट मरे के साथ थीम सॉन्ग वसंत गीत की रचना की। इस साल 18 मार्च से 15 अप्रैल तक ओवरसीज इमेज फेस्टिवल में ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, केन्या सहित 13 देशों के 260 से ज्यादा वीडियो प्राप्त किए गए। विभिन्न प्रतिभागियों ने चीनी भाषा, चीनी व्यंजन, चीनी चित्रकला और चीनी कविता प्रदर्शित की।

हाईनान के प्रति शी चिनफिंग का प्यार

बीजिंग। हाईनान अभी तक चीन में एकमात्र प्रांत स्तरीय आर्थिक विशेष क्षेत्र है, जिसे चीन में सुधार व खुलेपन का सबसे बड़ा परीक्षण क्षेत्र माना जाता है। 13 अप्रैल, 2018 को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हाईनान प्रांत यानी हाईनान आर्थिक विशेष क्षेत्र की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ की महासभा में यह घोषणा की कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय कमेटी ने पूरे हाईनान द्वीप पर मुक्त व्यापार परीक्षण क्षेत्र का निर्माण करने का समर्थन दिया है, जिससे हाईनान में सुधार व खुलेपन का नया अध्याय शुरू हुआ है। शी चिनफिंग हमेशा से हाईनान पर ध्यान देते आए हैं। वर्ष 2018 के बोआओ एशिया मंच के उद्घाटन समारोह में शी चिनफिंग ने हाईनान प्रांत के एक लोकगीत के हवाले से मेहमानों का स्वागत किया, जिसकी काफी वाहवाही हुई। वर्ष 1979 में जब शी चिनफिंग छिंगह्वा विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने पहली बार हाईनान का दौरा किया। उसी समय हाईनान केवल एक पिछड़ा द्वीप था, लेकिन इसके बाद दसेक वर्षों में हाईनान का बड़ा विकास हुआ है और वह चीन में सुधार व खुलेपन की एक महत्वपूर्ण खिड़की बन गया है। शी चिनफिंग के अनुसार, हाईनान प्रांत सुधार व खुलेपन की वजह से पैदा हुआ और सुधार व खुलेपन की वजह से विकसित भी हुआ, क्योंकि इससे पहले हाईनान केवल एक बंद व पिछड़ा द्वीप था। लेकिन अब वह चीन में सबसे खुले व सबसे शक्तिशाली क्षेत्रों में से एक गिना जाता है।

चीन ने ताइवान को लेकर अमेरिका को फिर दी धमकी, कहा-'आग से मत खेलो'

बीजिंग।

चीन को ताइवान की अमेरिका के साथ नजदीकियां रास नहीं आ रही हैं। चीन के सबसे ज्यादा संवेदनशील मुद्दे ताइवान को लेकर ड्रैगन ने किसी भी देश की दखलअंदाजी को नकार दिया । ताइवान को लेकर कुछ दिन पहले अमेरिका को धमकाने के बाद अब फिर चीन ने बाइडेन प्रशासन को चेतावनी दी है। अमेरिका के ताइवान से नजदीकी बढ़ाने और उसके अधिकारियों की आवाजाही बढ़ाने पर चीन ने धमकी दी है कि वह आग से खेलने की कोशिश न करे। दरअसल चीन हमेशा से ताइवान पर अपना दावा जताता रहा है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को चीन की निरंतर दखलंदाजी बढ़ने के कारण ताइवान से संबंध मजबूत करने के संबंध में गाइडलाइन जारी की थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजान ने अमेरिका से अपनी कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि वह आग से खेलने की कोशिश न करे। ताइवान के मामले को वह समझदारी से हल करे, न कि ताइवान से नजदीकी बढ़ाए। अमेरिका का यह निर्णय ताइवान के स्वतंत्रता समर्थकों को गलत संकेत देगा। इससे चीन और अमेरिका के संबंध भी सामान्य नहीं रहेंगे। बता दें कि अमेरिका का वैसे तो ताइवान की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार के साथ आधिकारिक संबंध नहीं है लेकिन उसके साथ उसका प्रगाढ़ अनौपरचारिक रिश्ता है। इसके अलावा अमेरिका ताइवान में स्वतंत्रता समर्थकों को बढ़ावा दे रहा है और ताइवान की राष्ट्रपति त्से इंग वेन भी कह चुकी हैं कि ताइवान स्वतंत्र राष्ट्र है। बता दें कि इससे पहले भी चीन के विदेश मंत्री वांग यी अमेरिका के बाइडेन प्रशासन को चेतावनी दे चुके हैं कि वह पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ताइवान का समर्थन करने के 'खतरनाक चलन' को वापस लें। जनवरी में अपना कार्यकाल पूरा करके अमेरिकी राष्ट्रपति पद से हटे ट्रंप ने ताइवान के समर्थन में वहां कैबिनेट अधिकारियों को भेज कर चीन को क्षुब्ध कर दिया था।

चीन की धमकियों के बीच बाइडेन ने अमेरिकी अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल भेजा ताइवान

इंटरनेशनल डेस्क:

चीन की धमकियों के बीच राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को पूर्व अमेरिकी अधिकारियों का एक अनौपचारिक प्रतिनिधिमंडल ताइवान भेजा। ताइपे ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सांसद सेन क्रिस डोड, विदेश विभाग के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी रिचर्ड आर्मिटेज और जेम्स स्टाइनबर्ग शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल बुधवार दोपहर को तइपे पहुंचेगा। राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता जेवियर चांग ने कहा, ÷ अमेरिकी अधिकारियों की पुनः ताइवान यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों को प्रदर्शित करती है।बता दें कि 23 मिलियन लोगों की आबादी वाले ताइवान द्वीप पर चीन अपना दावा करता रहा है जिस कारण दोनों देशों के बीच काफी तनावपूर्ण संबंध चल रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका द्वारा ताइवान को समर्थन देना बीजिंग को खटक रहा है। यही वजह है कि चीन बार-बार तइपे और वॉशिंगटन को धमकियां देकर अपनी भड़ास निकाल रहा है। बीजिंग ताइवान को अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है, हालांकि यह सात दशकों से अधिक समय से अलग शासित देश है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कसम खाई है कि बीजिंग कभी भी ताइवान को स्वतंत्र नहीं होने देगा और यदि आवश्यक हुआ तो निसंकोच बल का प्रयोग करेंगे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार सितंबर से चीन की उनके क्षेत्र में सैन्य घुसपैठ बढ़ा दी है। सोमवार को भी चीन ने ताइवान के हवाई रक्षा क्षेत्र में 25 युद्धक विमान भेजे।

ब्रिटेन ने भी पाकिस्तान को दिखाया आईना, आतंकी वित्तपोषण की 'विशेष सूची' में किया शामिल

लंदन:

ब्रिटेन ने आंतकी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान को आईना दिखाया है। ब्रिटेन ने पाक को मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण मामले से जुड़े 21 देशों की सूची में शामिल किया है जिससे इमरान सरकार की बौखलाहट बढ़ गई है।

इस पर सफाई देते हुए पाक के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उसका मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण से कोई लेना-देना नहीं है । गौरतलब है कि पाकिस्तान को आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, हमने पाकिस्तान सहित कुछ मुल्कों को लेकर ब्रिटेन द्वारा जारी मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक वित्तपोषण (संशोधन) (उच्च जोखिम वाले देशों) विनियम 2021 को देखा है। ब्रिटेन द्वारा किया गया ये मूल्यांकन तथ्यों पर आधारित नहीं है। हम मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण के विरोधी रहे हैं। हमें उम्मीद है कि ब्रिटेन तथ्यों के आधार पर अपने इस विनियम रिपोर्ट की समीक्षा करेगा और राजनीतिक रूप से प्रेरित और गलत उपायों से बचेगा। पाकिस्तान ने अपनी तरफ से सफाई पेश करते हुए कहा कि पिछले दो सालों में पाकिस्तान ने कानूनी, संस्थात्मक और प्रशासनिक रूप से महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

इन कदमों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण के मामलों पर नकेल कसी गई है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान आतंक का समर्थन नहीं करता है हालांकि वो ये बताना जरूर भूल गए कि इसके देश में आतंकी खुलेआम घूमते हुए भी नजर आ जाते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा उठाए गए कदमों का परिणाम है कि FATF ने इसकी जानकारी यूरोपियन यूनियन को दी। अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी भी इस बात को जानती है कि इस्लामाबाद ने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की है।

उइगर मुस्लिमों पर अत्याचार के मुद्दे पर चीन बदल रहा पैंतरें

बीजिंग।

वैश्विक मंचों पर चीन के शिनजियांग क्षेत्र में उइगरों पर अत्याचारों के विरोध के बावजूद शी जिनपिंग के जुल्म लगातार बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन चीन सरकार लगातार अपने बचाव में बयान बदल रही है। चीन उइगरों के बड़े पैमाने पर नजरबंदी के बारे में झूठ बोल रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों का अनुमान है कि कम से कम 10 लाख मुसलमानों को कन्संट्रेशन कैंप्स में रखा गया है। शिनजियांग में चल रहे डिटेंशन सेंटरों के बारे में चीन का कहना है कि यह सभी 'व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र' हैं । एक रिपोर्ट के मुताबिक डिटेंशन सेंटरों में रखे गए लोगों का आंकड़ा वयस्क मुस्लिम आबादी के 10 प्रतिशत के बराबर है। मानवाधिकारों के हननको लेकर बीजिंग पर अब पश्चिमी देशों का दबाव बढ़ता जा रहा है। लेकिन चीन आरोपों का खंडन करने और आलोचनाओं को अनसनुना करने के लिए पूरी ताकत का इस्तेमाल कर रहा है। इसी साल जनवरी में अमेरिका ने चीन पर नरसंहार का आरोप लगाया था जिसके बाद अन्य राजनयिक दबाव भी शुरू हो गए। बीते साल चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इशारों -इशारों में कहा था कि शिंजियांग के पश्चिमी इलाके में रहने वाले सभी जातीय समूहों का लगातार विकास चल रहा है।

उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार इस इलाके के लोगों को सही शिक्षा देती रहेगी। शिंजियांग में यहां 80 लाख तक उइगर मुसलमानों को शिक्षित और सभ्य बनाने के नाम पर डिटेंशन कैंपों में अमानवीय तरीकों से रखने की खबर सामने आ चुकी हैं. चीन में मस्जिदों को तोड़कर टॉयलेट बनाने की भी कई खबरें सामने आ चुकी हैं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी शुरू के डेढ़ वर्षों तक इन कंसंट्रेशन कैंप्स को छिपाए हुई थी। हालांकि खबरों के सामने आने के बाद भी इसका रवैया नहीं बदला और चीन ने ऐसे किसी कैंप का अस्तित्व ही खारिज कर दिया। जब इन सैंटरों के खिलाफ सबूत आने लगे तो चीन ने अपना सुर एक बार फिर बदला। सबूतों के बाहर आने पर चीन ने ट्रेनिंग सेंटर बताया।

उसने दावा किया कि वह पिछड़े उइगर लोगों को नौकरियां देने के लिए ट्रेनिंग दे रहा है। चीन के दावों यकीन भी करें तो अगर इन व्यावसायिक प्रशिक्षण स्कूलों में उइगर अगर कथित स्वेच्छा से हिस्सा लेते थे तो अत्याचार और दुर्व्यवहार को लेकर इतनी रिपोर्टें कैसे आईं?

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बी एस येदियुरप्पा ने कहा- कर्नाटक में लॉकडाउन नहीं लगेगा, सख्त कदम उठाए जाएंगे

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने बुधवार को कहा कि राज्य में लॉकडाउन नहीं लगाया जाएगा लेकिन कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। यहां एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में येदियुरप्पा ने कहा, ''लॉकडाउन के अलावा सभी अन्य कदम उठाए जाएंगे। कुछ शहरों में हमने पहले ही रात में कर्फ्यू लगा दिया है। अगर जरूरत पड़ी तो हम कुछ और जिलों में भी इसे लागू करेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह अगले कदमों पर विपक्षी दल के नेताओं से सलाह-मशविरा करेंगे और उनके सुझावों पर विचार करेंगे। उन्होंने सप्ताहांत में लॉकडाउन लगाने से भी इनकार कर दिया।

काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कोविड-19 जांच अनिवार्य

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखतेहुए श्री विश्वनाथ मंदिर एवं अन्नपूर्णा मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए संक्रमित न पाए जाने की तीन दिन पहले की आरटी पीसीआर जांच रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है। वाराणसी मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल ने संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर लोगों से फिलहाल यात्रा करने से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर कोई जरूरी कार्य न हो तो आसपास के जनपदों से लोग वाराणसी न आएं और अपने घरों में ही रहे। उन्होंने बताया कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अन्नपूर्णा मंदिर में भी दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं को संक्रमित न पाए जाने की तीन दिन पहले की आरटी पीसीआर जांच रिपोर्ट दिखाना अनिवार्य है, अन्यथा उन्हें मंदिर परिसर में प्रवेश करने नहीं दिया जाएगा। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने कहा कि जिले में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए देश विदेश से आने वाले लोगों से अपील है कि बहुत आवश्यक न हो तो वाराणसी न आएं।

महाराष्ट्र कांग्रेस का पीएम पर आरोप, कहा- लोगों की जान के बजाय बंगाल चुनाव को दे रहे हैं महत्व

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रमुख नाना पटोले ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल में चुनाव खत्म होने के बाद ही देश में लॉकडाउन लागू करेंगे क्योंकि वह लोगों की जान के ऊपर चुनाव को प्राथमिकता दे रहे हैं। पटोले ने संवाददाताओं से कहा कि खबरों से संकेत मिल गया है कि कोरोना वायरस संक्रमण बहुत तेज गति से देश में फैल रहा है लेकिन प्रधानमंत्री रैलियां करने में व्यस्त हैं। पटोले ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम बंगाल में चुनाव खत्म होने के बाद देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा करेंगे। पटोले ने कहा, ''एक से 10 अप्रैल के बीच देश में कोरोना वायरस संक्रमण के फैलने की गति बहुत तेज रही। लेकिन प्रधानमंत्री बिना मास्क लगाए रैलियां करते रहे। वह पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार कर रहे हैं लेकिन सरकार की उपेक्षा के कारण लोग दिक्कतें झेल रहे हैं। रैलियों में मास्क नहीं पहनकर प्रधानमंत्री क्या संदेश देना चाहते हैं।''

राजनैतिक कार्यालयों पर भी कोरोना का साया, भाजपा के बाद कांग्रेस कार्यालय में आवाजाही बंद

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच राजनीतिक दलों के कार्यालय भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। राजधानी भोपाल में भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाद अब कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में भी कोरोना का प्रवेश हो गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री राजीव सिंह की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को सात दिनों के लिए बंद कर दिया गया है।

दिल्ली की जेल बनीं कोरोना वायरस का नया हब, 190 से अधिक कैदी संक्रमित मिले

नयी दिल्ली। दिल्ली के तीन जेल परिसरों में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए 60 से ज्यादा कैदियों और 11 कर्मचारियों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बुधवार को इस बारे में बताया। महानिदेशक (जेल) संदीप गोयल ने बताया, ''अब तक कुल 190 कैदी संक्रमित हुए हैं।'' अधिकारियों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार तक दिल्ली की जेलों के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 78 है। इनमें जेल के 11 कर्मचारी शामिल हैं। गोयल ने कहा, ''संक्रमण के 190 मामलों में से, 121 कैदी ठीक हो चुके हैं जबकि दो की मौत हो गयी। फिलहाल 67 उपचाराधीन मरीज हैं। जेल के 304 कर्मी अब तक संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 293 कर्मी ठीक हो चुके हैं और 11 का उपचार चल रहा है।'' उन्होंने कहा कि मंडोली जेल के अधीक्षक और तिहाड़ जेल के दो डॉक्टरों समेत 11 कर्मी संक्रमित हुए हैं। रोहिणी जेल में संक्रमण का पहला मामला पिछले साल 13 मई को आया था। मंडोली जेल में 15 जून और चार जुलाई को एक-एक कैदी की मौत हो गयी। दोनों कैदी बुजुर्ग थे। अधिकारियों ने कहा था कि पिछले साल मार्च में महामारी की शुरुआत के बाद से जेल विभाग सतर्क है और कर्मचारियों से साफ-सफाई बनाए रखने तथा उचित दूरी का पालन करने को बार बार कहा गया।

कोरोना की दूसरी लहर को रोकने के लिए पूरे देश में लग सकता है लॉकडाउन? जानिए वित्त मंत्री निर्मला ने वर्ल्ड बैंक को क्या बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

24 घंटे में कोरोना केसों की संख्या करीब 2 लाख तक पहुंचने के बाद लोग एक बार फिर आशंकित हैं कि क्या देश एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रहा है? क्या संक्रमण रोकने का यही एक उपाय बचा है? इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ल्ड बैंक को बताया है कि मोदी सरकार पिछले साल की तरह संपूर्ण लॉकडाउन पर विचार नहीं कर रही है और इस बार लोकल कंटेनमेंट जोन में ही पाबंदियां लगाई जा रही हैं। वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेजिडेंट डेविड मालपास के साथ मंगलवार को एक वर्चुअल मीटिंग के दौरान सीतारमण ने कहा कि इस समय पूरे देश में संपूर्ण लॉकडाउन की कोई गुंजाइश नहीं है। बुधवार को देश में 1.84 लाख लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए तो एक

हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई। सबसे अधिक केस वाले राज्य महाराष्ट्र में आज रात से 15 दिनों के लिए लॉकडाउन जैसी पाबंदियों की घोषणा की गई है। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, 'वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना महामारी की दूसरी लहर को रोकने के लिए भारत की ओर से उठाए जा रहे कदमों को साझा किया, जिनमें टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट, वैक्सीनेशन और कोविड अप्रोप्रिएट बिहेवियर शामिल है।' सीतारमण ने कहा, 'दूसरी लहर के बावजूद, हम बहुत स्पष्ट हैं कि बड़े पैमाने पर लॉकडाउन नहीं करने जा रहे हैं। हम पूरी तरह इकॉनमी को कैद नहीं करना चाहते। मरीजों या क्वारंटाइन वाले घरों को स्थानीय स्तर पर आइसोलेट करके संकट से निपटा जाएगा। लॉकडाउन नहीं होने जा रहा है।' वर्ल्ड बैंक के बयान के मुताबिक, मालपास और वित्त मंत्री ने ग्रुप और भारत के बाच पार्टनरशिप के महत्व पर चर्चा की, जिनमें सिविल सर्विस और फाइनेंशल सेक्टर रिफॉर्म, वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट और हेल्थ शामिल हैं। उन्होंने भारत के कोविड-19 से निपटने के उपाय और वैक्सीन उत्पादन क्षमता पर भी बात की।

जलवायु परिवर्तन पर जावड़ेकर बोले- अमेरिका, यूरोप और चीन की गलतियों की सजा भुगत रही दुनिया

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि भारत जलवायु संबंधी अपनी आकांक्षाओं को बढ़ाएगा लेकिन वह ऐसा दबाव में नहीं करेगा। जावड़ेकर ने कहा कि भारत विकसित देशों से वित्त और सहायता और उनके जलवायु कार्यों के बारे में पूछना जारी रखेगा।जावड़ेकर ने यह टिप्पणी फ्रांस दूतावास में फ्रांसीसी मंत्री ज्यां यवेस ले द्रियां के साथ मुलाकात के बाद अपने भाषण में की। उन्होंने कहा कि भारत जी 20 का एकमात्र देश है जिसने पेरिस जलवायु समझौते पर जो कहा, वह किया और हमने अपने वादे से ज्यादा किया है। जावड़ेकर ने कहा कि कई देश अपनी पूर्व-2020 प्रतिबद्धताएं भूल गए हैं और वे अब 2050 की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷कई देश अब कह रहे हैं कि कोयले का इस्तेमाल नहीं करें, लेकिन विकल्प कोयले से काफी सस्ता होना चाहिए, तभी लोग कोयले का इस्तेमाल बंद करेंगे।÷ मंत्री ने कहा कि भारत दूसरों के कदमों के कारण भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, यूरोप और चीन ग्रीन हाउस गैस का उत्सर्जन करते हैं जिसे दुनिया भुगती है।

कोरोना वायरस के कहर के बीच महाकुंभ के शाही स्नान में लाखों ने लगाई डुबकी

देहरादून। (एजेंसी)।

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच बैसाखी और मेष संक्रांति के पर्व पर महाकुंभ के तीसरे और मुख्य शाही स्नान में बुधवार को अखाड़ों के साधु संतों ने मुख्य स्नान घाट 'हर की पैड़ी' पर अपार उत्साह के साथ गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाई। पवित्र स्नान पर्व पर हरिद्वार और ऋषिकेश के विभिन्न गंगा घाटों पर आम श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर कुंभ का पुण्य लाभ कमाया। शाही स्नान के दौरान महाकुंभ मेले की व्यवस्था की स्वयं निगरानी कर रहे प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में सुचारू ढंग से स्नान चल रहा है।

उन्होंने बताया कि दोपहर 12 बजे तक करीब आठ-दस लाख लोग गंगा में डुबकी लगा चुके हैं और तड़के शुरू हुआ स्नान का क्रम लगातार जारी है। अब तक 13 में से चार अखाड़े स्नान कर चुके हैं। सबसे पहले निरंजनी अखाड़े के साधु संत और नगा संन्यासी अपने महामंडलेश्वर आचार्य कैलाशानंद गिरी की अगुवाई में स्नान के लिए हर की पैड़र ब्रह्मकुंड पहुंचे, जहां उन्होंने अपने इष्टदेवों के साथ नदी में डुबकी लगाई। निरंजनी अखाड़े के साथ ही आनंद अखाड़े के संतों ने भी स्नान किया। इसके बाद जूना अखाड़ा के साधु संन्यासियों ने स्नान किया। सबसे ज्यादा नगा संन्यासियों वाले इस अखाड़े के साधु संत अपने महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद के नेतृत्व में गंगा स्नान के लिए पहुंचे।

जूना अखाड़ा के बाद महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़े संत शाही स्नान के लिए पहुंचे और अपने इष्टदेवों के साथ गंगा में डुबकी लगाई। इससे पहले, सुबह सात बजे मेला प्रशासन ने मुख्य स्नान घाट हर की पैड़ी ब्रह्मकुंड को पूरा खाली करा लिया, जिससे कि पूरे दिन यहां सभी 13 अखाड़ों से जुड़े साधु संत शाही स्नान कर सकें। शाही स्नान के दौरान पुलिसकर्मी जगह-जगह लोगों को मास्क बांटते और उन्हें हाथों को सैनिटाइज करने की सलाह देते नजर आए।

कोरोना महामारी की स्थिति से निपटने के लिए 'राजधर्म' का पालन करें प्रधानमंत्री: कांग्रेस

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कोविड-19 महामारी की स्थिति से निपटने में लापरवाही बरतने और लोगों को उनके हाल पर छोड़ देने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब उन्हें 'राजधर्म' का पालन करना चाहिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि देश में कोविड रोधी टीके और दूसरे चिकित्सकीय उपकरणों की भारी कमी है, लेकिन सरकार के मंत्री सिर्फ विपक्षी नेताओं पर हमले बोलने में लगे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''कोरोना वायरस संक्रमण के आंकड़े डरावने हैं। यह अप्रत्याशित है। मोदी सरकार ने लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया है। उनकी तरफ से लापरवाही बरती जा रही है।

एक साल का समय मिलने के बावजूद उसने इस महामारी से निपटने के लिए जरूरी प्रबंध नहीं किए।'' सुरजेवाला ने दावा किया, ''देश में आज कोविड रोधी टीके की भारी कमी है। सरकार इससे इनकार कर रही है और सवाल उठाने वाले विपक्षी नेताओं पर आक्रमण किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा, '' कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने विदेश निर्मित टीके को अनुमति देने की मांग की तो केंद्रीय मंत्रीरविशंकर प्रसाद और स्मृति ईरानी ने उन पर हमला बोल दिया। लेकिन राहुल गांधी के सुझाव देने के कुछ दिनों के भीतर ही प्रधानमंत्री की अगुवाई में सरकार ने उनके सुझाव को स्वीकार कर लिया।''

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सीबीएसई की परीक्षाओं को रद्द करने की कांग्रेस की मांग को लेकर भी सरकार ने पहले पार्टी पर हमला बोला, लेकिन बाद में सुझाव मान लिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि कोरोना संकट से निपटने की बजाय प्रधानमंत्री चुनाव में व्यस्त हैं। उन्हें सारी चीजों से ऊपर उठकर राजधर्म का पालन करना चाहिए।'' सुरजेवाला ने कहा, '' प्रधानमंत्री से हम कहना चाहते हैं कि कोरोना संकट के मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं हो सकती। यह 'कोरोना वायरस बनाम हम सब' की लड़ाई है।'' देश में बुधवार को कोरोना वायरस संक्रमण के एक दिन में अब तक के सर्वाधिक 1,84,372 नये मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार के आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण के कुल मामले अब 1,38,73,825 हो गए हैं जबकि 13 लाख से अधिक लोग अब भी संक्रमण की चपेट में हैं। मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में 1,027 लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 1,72,085 हो गई है जो 18 अक्टूबर, 2020 के बाद सबसे ज्यादा है।

पलायन कर रहे श्रमिकों के रहने और खाने की मुफ्त व्यवस्था करे सरकार: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को सरकार से कोविड-19 महामारी के कारण अपने घरों की ओर पलायन कर रहे श्रमिकों और कामगारों को रोककर उनके रहने और खाने की मुफ्त व्यवस्था करने तथा सभी गरीबों और जरूरतमंदों को कोविड-19 का निशुल्क टीका लगवाने की मांग की। मायावती ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की जयंती पर एक बयान में कहा, देश में इस वर्ष फिर से कोविड-19 महामारी की रफ्तार बढ़ने की वजह से जो लोग पलायन कर अपने-अपने राज्यों में लौटने का मन बना रहे हैं या लौट रहे हैं, उन्हें वहीं रोक कर वहां की राज्य सरकारें उनके रहने और खाने की समुचित व्यवस्था करे। वरना ये लोग कोरोना महामारी की चपेट में आ सकते हैं।

इसे रोकने के लिए केंद्र की सरकार भी राज्य सरकारों की मदद करे। मायावती ने सरकार से सभी गरीबों और जरूरतमंदों को कोविड-19 का टीका मुफ्त लगाने की मांग दोहराते हुए कहा, सरकार ने टीका लगवाने को लेकर 14 अप्रैल तक टीकाकरण उत्सव मनाने का विशेष अभियान चलाया है। यह अच्छी बात है लेकिन अगर यह उत्सव देश के गरीब एवं अन्य सभी जरूरतमंदों को मुफ्त में टीका लगाने के रूप में मनाया जाता तो यह ज्यादा उचित होता। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर वह सरकार से अनुरोध करती हैं कि वह देश के सभी वर्गों और जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में कोविड-19 का टीका लगाने का आज ही एलान करे। बसपा अध्यक्ष ने डॉक्टर आंबेडकर की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 प्रकोप के चलते बसपा के कार्यकर्ता सभी सरकारी नियमों का अनुपालन करते हुए सादगी से जयंती कार्यक्रम मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज का दिन बसपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज ही के दिन जातिवादी, रूढ़िवादी और संकीर्ण मानसिकता रखने वाली पार्टियों और ताकतों का मुकाबला करने और आंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए बसपा का गठन किया गया था। उन्होंने दावा किया, बसपा बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाते हुए पूरे जी जान से लगी हुई है जिसके लिए हमें बाबा साहब की सोच के मुताबिक केंद्र और राज्यों में तथा अन्य सभी स्तर पर राजनीतिक सत्ता की 'मास्टर चाबी' खुद अपने हाथों में लेनी होगी। इसी खास मकसद से ही बसपा का गठन किया गया है। मुझे पूरी उम्मीद है कि बसपा के लोग बाबा साहब के सपने को जरूर साकार करेंगे।

बंगाल और इसकी संस्कृति को बर्बाद करने का प्रयास कर रही है भाजपा : राहुल गांधी

ग्वालपोखोर (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोनार बांग्ला (स्वर्णिम बंगाल) बनाने के भाजपा के दावे को धोखा करार देते हुए बुधवार को कहा कि भगवा पार्टी के पास नफरत, हिंसा और भाषा, धर्म, जाति तथा पंथ के आधार पर लोगों को बांटने के अलावा देने के लिये कुछ नहीं हैं। बंगाल में अपनी पहली चुनावी रैली के दौरान गांधी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और कहा कि उनकी पार्टी ने कभी टीएमसी की तरह भाजपा और आरएसएस से गठजोड़ नहीं किया। बनर्जी की पार्टी टीएमसी पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा रह चुकी है। गांधी ने कहा, भाजपा बंगाल की संस्कृति और विरासत को मिटाना और इसे बांटना चाहती है।

असम में वे यही कर रहे हैं। तमिलनाडु में वे अपने गठबंधन साझेदार अन्नाद्रमुक के साथ मिलकर ऐसा करने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा के पास नफरत, हिंसा और विभाजनकारी राजनीति के अलावा देने के लिये कुछ नहीं है। सोनार बांग्ला बनाने के भाजपा के नारे का मजाक उड़ाते हुए गांधी ने इसे धोखा करार दिया और कहा कि वे हर राज्य में यही सपना बेचते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, वे प्रत्येक राज्य में सोनार बांग्ला जैसी बात कहते हैं। लेकिन लोगों को धर्म, जाति और के आधार पर बांटते रहते हैं। गांधी ने बंगाल में कट मनी की समस्या की निंदा करते हुए कहा, आपने टीएमसी को मौका दिया, लेकिन वह नाकाम रही। लोगों को रोजगार के लिये दूसरे राज्यों में जाना पड़ा। यह एकमात्र राज्य है, जहां आपको नौकरी पाने के लिये कटमनी देना पड़ता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने टीएमसी के खेला होबे (खेल होगा) नारे का मजाक उड़ाते हुए कहा कि लोगों की सेवा करना और खेल खेलना दोनों अलग-अलग बाते हैं। उन्होंने कहा, हमने कभी भाजपा और आरएसएस से समझौता नहीं किया। हमारी लड़ाई राजनीतिक ही नहीं बल्कि विचारधारा की भी है। ममता जी के लिये यह केवल राजनीतिक लड़ाई है। गांधी ने कहा, भाजपा अच्छी तरह जानती है कि कांग्रेस उसके सामने हथियार नहीं डालेगी। लिहाजा उसने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा लगाया। उन्होंने कभी टीएमसी मुक्त भारत का नारा नहीं दिया, क्योंकि वह उसकी पुरानी गठबंधन साझेदार है। गांधी ने लोगों से बंगाल में विकास के नए युग की शुरुआत के लिये कांग्रेस-आईएसएफ-वाम गठबंधन को वोट देने की अपील की।

चीन-भारत सीमा पर कुछ सैनिकों को हटाए जाने के बावजूद तनाव बरकरार : रिपोर्ट

नयी दिल्ली/वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के खुफिया समुदाय ने संसद से कहा कि इस साल सैनिकों को हटाए जाने के बावजूद चीन-भारत सीमा पर ''अधिक'' तनाव बना हुआ है। उसने कहा कि चीन अपनी बढ़ती ताकत दिखाने तथा पड़ोसी देशों को विवादित क्षेत्र पर अपने दावों समेत अपनी प्राथमिकताओं को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने के लिए विवश करने के वास्ते सभी हथकंडे आजमाना चाहता है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के कार्यालय (ओडीएनआई) ने अमेरिकी संसद को दी अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा कि चीन विदेश में अपनी आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य मौजूदगी का विस्तार करने के लिए अरबों डॉलर के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का प्रचार करता रहेगा।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 2013 में सत्ता में आने के बाद अरबों डॉलर की बीआरआई परियोजना शुरू की थी। इस परियोजना का मकसद दक्षिणपूर्व एशिया, मध्य एशिया, खाड़ी क्षेत्र, अफ्रीका और यूरोप को जमीन तथा समुद्र मार्गों से जोड़ने का है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''इस साल कुछ सैनिकों की वापसी के बावजूद चीन-भारत के बीच अधिक तनाव बना हुआ है। विवादित सीमा क्षेत्रों में मई 2020 से चीनी सेना की मौजूदगी, दशकों में अब तक की सबसे गंभीर तनावपूर्ण स्थिति है और इसके चलते 1975 के बाद से दोनों देशों के बीच सीमा पर पहली जानलेवा झड़प हुई।'' इसमें कहा गया है, ''फरवरी तक कई दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों ने विवादित सीमा के कुछ इलाकों से सेनाओं तथा सैन्य उपकरणों को हटाया।'' रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अपनी बढ़ती ताकत को दिखाने तथा पड़ोसी देशों को विवादित क्षेत्र तथा ताइवान पर संप्रभुत्ता के दावों समेत अपनी प्राथमिकताओं को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने के लिए विवश करने के वास्ते सभी हथकंडे आजमाना चाहता है।

चीन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में तेजी से सैन्य और आर्थिक प्रभाव बढ़ा रहा है जिससे क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच चिंता पैदा हो गई है। उसके दक्षिण चीन सागर तथा पूर्वी चीन सागर दोनों में गंभीर क्षेत्रीय विवाद हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ताइवान पर एकीकरण के लिए दबाव बढ़ाता रहेगा और अमेरिका-ताइवान के बीच बढ़ते रिश्तों की निंदा करता रहेगा। दरअसल, चीन ताइवान को एक बागी प्रांत की तरह देखता है जिसका एकीकरण होना चाहिए चाहे इसके लिए उसे बलप्रयोग क्यों न करना पड़े। अमेरिकी खुफिया समुदाय ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि खींचतान बढ़ेगी, क्योंकि बीजिंग ने ताइपे को अंतरराष्ट्रीय तौर पर अलग-थलग और आर्थिक समृद्धि के लिए चीन पर निर्भर दिखाने की कोशिशें तेज कर दी हैं तथा वह इस द्वीप के आसपास सैन्य गतिविधि बढ़ा रहा है।''

ओडीएनआई ने कहा कि चीन ''टीका कूटनीति'' के जरिए अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करेगा जिसके तहत वह उन देशों को कोविड-19 टीके उपलब्ध कराएगा जिनसे उसे फायदा लेना है। चीन कोविड-19 का टीका बना रहा है। उसने कहा, ''चीन अमेरिका की प्रौद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए सबसे बड़ा खतरा बना रहेगा।

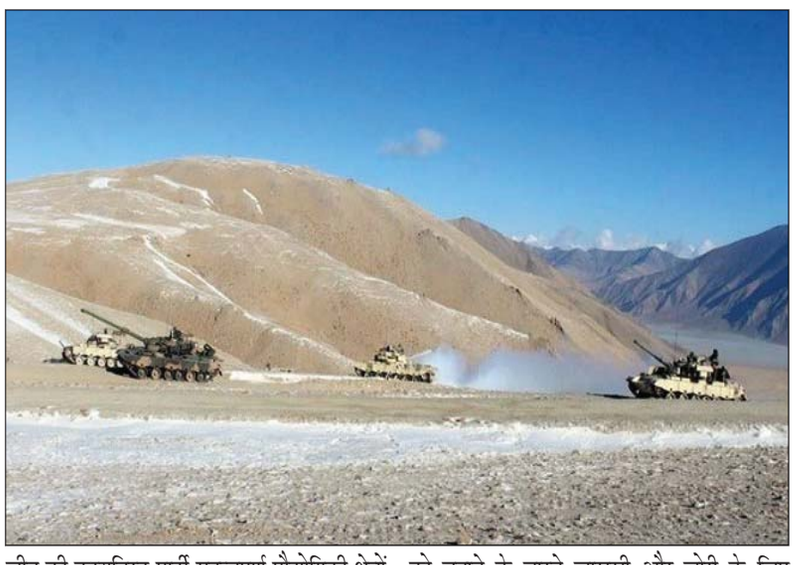

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों और वाणिज्यिक एवं सैन्य प्रौद्योगिकी को निशाना बनाती है। साथ ही चीन अपनी प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने के वास्ते जासूसी और चोरी के लिए विभिन्न हथकंडों का इस्तेमाल करता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)